घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 163- बुधवार 15- अप्रैल 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

सम्राट चौधरी होंगे बिहार के नए मुख्यमंत्री

राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया,आज लेंगे शपथ ग्रहण

पटना,14 अप्रैल 2026। सम्राट चौधरी बिहार के नए सीएम होंगे। उन्हें पहले बीजेपी फिर एनडीए विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। सम्राट राजभवन पहुंचे और राज्यपाल से मिलकर उन्होंने सरकार बनाने का दावा पेश किया। आज लोकभवन में शपथग्रहण समारोह होगा। इसके साथ ही बिहार में पहली बार भाजपा का मुख्यमंत्री होगा। विधानसभा के सेंट्रल हॉल में एनडीए की बैठक में नीतीश सम्राट के प्रस्तावक बने। नीतीश ने उन्हें माला पहनाई। विधायकों से ताली बजवाई। सम्राट ने भी पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद उन्होंने कहा, 'मैंने नीतीश जी से राजनीति सीखी है। उनके साथ मैंने काम किया है। उनके समृद्ध बिहार को और आगे ले जाना है। आज नीतीश कुमार ने बिहार के मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा दे दिया। वे सम्राट चौधरी और विजय चौधरी के साथ एक ही गाड़ी से राजभवन पहुंचे और राज्यपाल को इस्तीफा सौंपा। इस्तीफे के बाद उन्होंने एक्स पर लिखा-'अब नई सरकार यहां का काम देखेगी। नई सरकार को मेरा पूरा सहयोग रहेगा। आगे भी बहुत अच्छा काम होगा, बिहार बहुत आगे बढ़ेगा।'

सम्राट चौधरी चुने गए विधायक दल के नेता

राजद से जदयू के रास्ते भाजपा पहुंचे सम्राट चौधरी बिहार के नए मुख्यमंत्री होंगे। भाजपा पहली बार बिहार में अपना मुख्यमंत्री दे रही है। वीर चंद्र पटेल मार्ग स्थित भाजपा कार्यालय में पार्टी के विधायक दल की बैठक में सभी वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता चुन लिया गया। दो बार डिप्टी सीएम रहे सम्राट चौधरी बिहार के नए मुख्यमंत्री होंगे। हालांकि, अब तक उनके नाम के आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है लेकिन भाजपा के विश्वस सूत्रों की मानें तो सम्राट चौधरी ही बिहार के नए मुख्यमंत्री होंगे। भाजपा कार्यालय में सम्राट चौधरी का भव्य स्वागत किया गया। नीतीश कुमार भी सम्राट चौधरी ही मुख्यमंत्री बनाना चाहते थे। कहा जा रहा है कि भाजपा आलाकमान ने नीतीश कुमार के कहने पर ही सम्राट चौधरी के नाम पर मुहर लगाई।

पीएम मोदी और सीएम नीतीश के दिया धन्यवाद

सम्राट चौधरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा मुझ पर विश्वास जताते हुए भाजपा के विधान मंडल का दायित्व सौंपने पर हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। यह मेरे लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि बिहार की जनता की सेवा,उनके विश्वास और सपनों को साकार करने का एक पवित्र अवसर है। मैं पूर्ण निष्ठा,समर्पण और ईमानदारी के साथ जन-जन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का संकल्प लेता हूं। देश के प्रधानमंत्री कुशल नेतृत्व एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के मार्गदर्शन में बिहार को विकास,सुशासन और समृद्धि के नए आयामों तक ले जाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहूंगा।

सीएम नीतीश कुमार ने दिया अपना इस्तीफा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपना इस्तीफा राज्यपाल सैयद अता हसनैन को सौंप दिया। उनके साथ डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय चौधरी भी हैं। राज्यपाल ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया। करीब छह मिनट तक बातचीत के नीतीश कुमार लोकभवन से बाहर निकले। नीतीश कुमार हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन किया।

बंगाल में बुलडोजर नहीं चलते,यहां के लोग प्रणाम करते हैं : ममता

पश्चिम मेदिनीपुर,14 अप्रैल 2026। प्रदेश की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बुलडोजर वाले बयान पर पलटवार किया। ममता ने कहा कि आजकल उत्तर प्रदेश जल रहा है। योगी बाबू यहां आकर भाषण देते हैं और कहते हैं कि बंगाल में बुलडोजर चलते रहेंगे। पिंगला में मंगलवार को जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि बंगाल में बुलडोजर नहीं चलते। बगाली सलाम करता है,'प्रणाम' करता,'जय हिंद'कहता है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा शासित राज्यों में बंगाल के लोगों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। ममता के मुताबिक'जब बंगाल के लोग भाजपा शासित राज्यों में जाते हैं,तो उन्हें प्रताड़ित किया जाता है और बंगाली बोलने पर उन्हें घुसपैठिया कहा जाता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बंगाल में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि उत्तर प्रदेश का बुलडोजर केवल सड़क ठीक नहीं करता,माफियाओं का भी इलाज करता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में भी भाजपा सरकार लाइए, डबल इंजन सरकार दंगाइयों का इलाज कर देगी।

लोकतांत्रिक संस्थान संवाद,बहस और रचनात्मक चर्चा से ही चलें : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली,14 अप्रैल 2026। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा है कि लोकतांत्रिक संस्थानों को सुचारु रूप से चलाने के लिए संवाद, बहस और रचनात्मक चर्चा अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि संसदीय कार्यवाही का उद्देश्य निर्णय तक पहुंचना होना चाहिए,न कि व्यवधान उत्पन्न करना। उपराष्ट्रपति ने मंगलवार को बी.आर. अंबेडकर की जयंती के अवसर पर डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित द्वितीय डॉ. आंबेडकर स्मृति व्याख्यान में 'डॉ. आंबेडकर एक राष्ट्र निर्माता : विकसित भारत की ओर पथ' विषय पर संबोधन दिया। इससे पूर्व उन्होंने डॉ. आंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की। संवैधानिक नैतिकता के महत्व पर ज़ोर देते हुए,उपराष्ट्रपति ने राज्यसभा के सभापति के रूप में अपनी भूमिका पर विचार करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को संवाद,बहस और रचनात्मक चर्चा के माध्यम से कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संसदीय चर्चाओं का परिणाम व्यवधानों के बजाय निर्णयों के रूप में आना चाहिए,और इस बात पर ज़ोर दिया कि यह चर्चाएं जानकारीपूर्ण और सम्मानजनक होनी चाहिए। उन्होंने डॉ. अंबेडकर को आधुनिक भारत के महान शिल्पकारों में से एक बताते हुए कहा कि उनके विचार आज भी देश को दिशा प्रदान कर रहे हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा ही सामाजिक परिवर्तन की कुंजी है और सच्ची स्वतंत्रता शिक्षा से ही संभव है। संविधान निर्माण में डॉ. अंबेडकर की भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में व्यापक विचार-विमर्श के बाद एक ऐसा संविधान तैयार हुआ,जो न्याय,स्वतंत्रता,समानता और बंधुत्व के मूल्यों पर आधारित है। उपराष्ट्रपति ने अपने संबोधन में संवैधानिक नैतिकता के महत्व पर भी बल दिया और कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं में शालीन और तथ्यपूर्ण चर्चा आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन उसे सकारात्मक संवाद के माध्यम से सुलझाया जाना चाहिए। उन्होंने सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र के महत्व को भी रेखांकित करते हुए कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समावेशी और न्यायपूर्ण विकास आवश्यक है।

नोएडा में तांडव....3000 करोड़ का नुकसान,20 गाड़ियां फूंकी,अब श्रमिकों के लिए हुआ बड़ा ऐलान

नई दिल्ली,14 अप्रैल 2026। औद्योगिक नगरी नोएडा और ग्रेटर नोएडा में सोमवार को उस वक्त कोहराम मच गया, जब हजारों श्रमिक वेतन वृद्धि की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए। देखते ही देखते विरोध प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया और उपद्रवियों ने 500 से ज्यादा फैक्ट्रियों पर पथराव कर भारी तोड़फोड़ की। इस बवाल के बाद प्रशासन ने आनन-फानन में श्रमिकों की मजदूरी में 21 प्रतिशत की बढ़ोतरी का एलान किया है।

दरअसल, सोमवार सुबह 8 बजे से ही श्रमिक डंडे और पत्थर लेकर सड़कों पर जमा होने लगे थे। शाम 5 बजे तक चले इस उपद्रव के कारण नोएडा पूरी तरह 'बंधक' बना रहा। एनएच-9 और नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर घंटों जाम लगा रहा, जिससे ऑफिस जाने वाले लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बता दें कि इस हिंसा में 10 पुलिसकर्मियों समेत करीब 30 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने बताया कि अब तक 300 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है और 7 एफआईआर दर्ज की गई हैं। पुलिस अब वॉट्सएप ग्रुप्स और वीडियो फुटेज के जरिए अन्य आरोपियों की पहचान कर रही है।

जाति से ऊपर उठें,अमीर-गरीब की खाई मिटे तभी बनेगा समरस भारत : राष्ट्रपति मुर्मू

अहमदाबाद,14अप्रैल 2026। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को लोगों से जातिगत विभाजन से ऊपर उठकर एक समावेशी समाज के निर्माण की दिशा में काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश को अब 'अमीर और गरीब' के बीच की खाई को पाटने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। डॉ. बी.आर. अंबेडकर की जयंती के अवसर पर गुजरात के गांधीनगर में 'सामाजिक समरसता महोत्सव' को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि जाति व्यवस्था अतीत की बात है और लोगों को अब एक समाज के रूप में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा 'जिन्होंने जाति व्यवस्था बनाई, वे अब नहीं रहे। हमें मिलकर आगे बढ़ना चाहिए और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करना चाहिए। एक तरह से, अब केवल दो ही जातियां हैं - 'हैव्स' (अमीर) और 'हैव-नॉट्स' (गरीब)।' उन्होंने पिछड़ों के उत्थान की आवश्यकता पर जोर दिया।

एकजुट खड़े रहना सामाजिक सद्भाव की सच्ची अभिव्यक्ति

राष्ट्रपति ने एकता का आह्वान करते हुए कहा किसी को भी केवल अपने हित के बारे में नहीं सोचना चाहिए। हम सब एक हैं। हम भाई-बहन हैं। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक एकता पर जोर देते हुए कहा कि देश की परंपराएं करुणा, समानता, आपसी कल्याण और सद्भाव में निहित हैं। उन्होंने कहा, 'सभी विभाजनों से ऊपर उठकर और बिना किसी भेदभाव के एकजुट खड़े रहना सामाजिक सद्भाव की सच्ची अभिव्यक्ति है।

लोकसभा सीटें 543 से बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव

2029 से लागू होगा,महिलाओं को 33% आरक्षण मिलेगा,सीटें बढ़ाने पर दक्षिणी राज्यों का विरोध

नई दिल्ली,14 अप्रैल 2026। सरकार ने 2029 के लोकसभा चुनावों से महिला आरक्षण अधिनियम लागू करने के लिए लोकसभा सीटों की संख्या बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव रखा है। सूत्रों के अनुसार, इनमें से 815 सीटें राज्यों के लिए और बाकी 35 सीटें केंद्र शासित प्रदेशों के लिए प्रस्तावित हैं। वर्तमान में लोकसभा में 543 सीटें हैं। सरकार 16, 17 और 18 अप्रैल को संसद के विशेष सत्र में 2029 से लोकसभा में 33% महिला आरक्षण लागू करने के लिए संविधान संशोधन विधेयक लाने की योजना बना रही है। सरकार ने मंगलवार को संविधान (131वां संशोधन) बिल, परिसीमन विधेयक (संशोधन) बिल और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) बिल, 2026 ड्राफ्ट सभी सांसदों को भेजे हैं। एक और जरूरी बदलाव जनसंख्या की परिभाषा है। इससे संसद को यह तय करने का अधिकार मिलता है कि सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए किस डेटा को आधार बनाया जाए। इसके लिए 2011 की जनगणना को आधार बनाने की बात कही गई है। इन बदलावों को 2029 के आम चुनाव से लागू करने की योजना है। हालांकि इस पर विरोध भी शुरू हो गया है।

कपिल सिब्बल ने कहा...उत्तर भारत को ज्यादा फायदा होगा...

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि सरकार यह सब 2029 के लोकसभा चुनाव में राजनीतिक फायदा लेने के उद्देश्य से कर रही है। अगर सरकार महिलाओं को 33% आरक्षण देना चाहती है, तो मौजूदा 543 सीटों में ही यह लागू किया जा सकता है। सीटों के पुनर्वितरण से उत्तर भारत को ज्यादा फायदा होगा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि अगर सीटें अनुपात के आधार पर बढ़ाई गईं, तो दक्षिणी राज्यों में महिलाओं, स्ट और स्ब्र समुदायों को नुकसान हो सकता है। यह कदम दक्षिणी राज्यों की राजनीतिक ताकत को कम करने की साजिश हो सकता है।

यूपी में सबसे ज्यादा 40 सीटें बढ़ सकती है...

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, महिला आरक्षण के बाद यूपी में सबसे ज्यादा 40 लोकसभा सीटें बढ़ सकती है। यहां 80 से बढ़कर 120 हो जाएंगी। महाराष्ट्र में महिलाओं के लिए 24 सीटें आरक्षित हो जाएंगी। यहां लोकसभा की सीटें 48 से बढ़कर 72 हो जाएंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बिहार में महिला सीटों की संख्या 20 हो सकती है। यहां कुल सीटें 40 से 60 तक पहुंच सकती है। एमपी में 15 महिला आरक्षित सीटें बढ़ सकती हैं। तमिलनाडु में 20 और दिल्ली में 4 यानी महिला सीटें होंगी। झारखंड में 7 महिला आरक्षित सीटें बढ़ने का अनुमान है।

तमिलनाडु में बीजेपी ने जारी किया घोषणापत्र

किसानों को 9 हजार,महिलाओं को 2 हजार मासिक सहायता,मुफ्त के 3 सिलेंडर का वादा

तमिलनाडु,14 अप्रैल 2026। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही राजनीतिक दलों ने अपने वादों और योजनाओं को जनता के सामने रखना शुरू कर दिया है। इस राज्य में हर चुनाव में घोषणापत्र की भूमिका बेहद अहम मानी जाती है। इसी क्रम में बीजेपी ने मंगलवार को अपना मेनिफेस्टो जारी किया, जिसमें महिलाओं, किसानों और छोटे व्यवसायों के लिए कई बड़े वादे किए गए हैं। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने मेनिफेस्टो जारी करते हुए कहा कि पार्टी का मुख्य फोकस महिलाओं की आर्थिक मजबूती और सुरक्षा पर रहेगा। उन्होंने घोषणा की कि अगर पार्टी सत्ता में आती है, तो हर घर की महिला मुखिया को हर महीने 2000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी और हर परिवार को एक बार 10,000 रुपये की मदद दी जाएगी।

हर साल 3 मुफ्त सिलेंडर मिलेंगे : बीजेपी के मेनिफेस्टो में महिलाओं के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल की गई हैं। पार्टी ने महिलाओं को हर महीने 2,000 रुपये के साथ हर साल 3 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर देने का वादा किया है, जिससे घरेलू खर्च कम करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा पात्र महिलाओं को ई-स्कूटर खरीदने के लिए 25,000 रुपये की सहायता देने की भी घोषणा की गई है। महिला समूहों को बढ़ावा देने के लिए सहकारी समितियों, सेल्फ हेल्प ग्रुप और एमएसएमई से जुड़ी महिलाओं को 50 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त लोन देने का प्रस्ताव रखा गया है। साथ ही मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स में 20% खरीद इन महिला समूहों से करने की अनिवार्यता भी तय करने की बात कही गई है।

किसानों को मिलेगें 9 हजार रुपये : किसानों के लिए भी बीजेपी ने अपने मेनिफेस्टो में बड़ा वादा किया है। पार्टी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत मिलने वाली 6000 रुपये की सालाना सहायता में 3000 रुपये का अतिरिक्त टॉप-अप देने की घोषणा की है। इससे किसानों को कुल 9000 रुपये की मदद मिलने की बात कही गई है। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होगा और 4 मई को मतगणना होगी।

उत्तर प्रदेश सरकार ने श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में की अंतरिम बढ़ोत्तरी

नोएडा,14 अप्रैल 2026। जनपद गौतमबुद्ध नगर में श्रमिकों के प्रदर्शन के चलते औद्योगिक सामंजस्य एवं शांति बनाए रखने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार ने न्यूनतम वेतन में तात्कालिक रूप से अंतरिम वृद्धि कर दी है। जिसमें सबसे अधिक बढ़ोतरी कुशल श्रेणी के श्रमिकों के लिए की गई है। यह वृद्धि गौतमबुद्ध नगर और गाजियाबाद जिलों में सबसे अधिक 21 प्रतिशत तक की गई है। सरकार ने यह नई अंतरिम वेतन दरें एक अप्रैल 2026 से ही प्रभावी होंगी। मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश गठित उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष व अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार ने मंगलवार को ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के आफिस में एक प्रेस वार्ता कर उक्त जानकारी दी। दीपक कुमार ने हाल में हुए घटनाक्रमों पर स्थिति स्पष्ट करते हुए जानकारी साझा करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर उत्तर प्रदेश सरकार ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाया गया हे। उन्होंने बताया कि इस अंतरिम वेतन वृद्धि के अनुसार अकुशल श्रमिकों का वेतन 11313 से बढ़ाकर 13690 रूपये कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री ने एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया,दिल्ली से देहरादून का सफर ढाई घंटे में...

2029 के चुनावों में बेटियों को उनका हक देंगे : पीएम मोदी

देहरादून,14 अप्रैल 2026। पीएम मोदी ने मंगलवार को देहरादून में कहा, '4 दशकों से महिला-बेटियां अपने हक का इंतजार कर रही है। अब वह समय आ गया है। हम अपने देश की बेटियों को 2029 के चुनावों में उनका हक देकर रहेंगे। इसके लिए हम संसद में महिला आरक्षण बिल ला रहे हैं।' पीएम ने कहा, 'कभी उत्तराखंड के गांव में सड़क के इंतजार में पीढ़ियां बदल जाती थीं। आज डबल इंजन सरकार के प्रयास से सड़क गांव तक पहुंच रही है। जो गांव वीरान थे आज फिर बस रहे हैं।' इससे पहले उन्होंने दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे कॉरिडोर का उद्घाटन किया। वे एशिया के सबसे लंबे 12 किमी एलिवेटेड वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर का निरीक्षण करने सहारनपुर पहुंचे। यहां रोड शो भी किया। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे कॉरिडोर 213 किमी लंबा,6 लेन और एक्सेस कंट्रोल्ड कॉरिडोर 12,000 करोड़ रुपए की लागत से बना है। यह दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को जोड़ता है और इसके शुरू होने से दिल्ली-देहरादून के बीच की दूरी 6 घंटे से घटकर करीब ढाई घंटे रह जाएगी।

पीएम ने कहा- टूरिज्म से सबको फायदा होता है

पीएम ने कहा, हम जानते हैं जब टूरिज्म का विकास होता है तो हर कोई कुछ न कुछ कमाता है। सबको फायदा होता है। मुझे खुशी है उत्तराखंड विंटर टूरिज्म विंटर स्पोर्ट्स के लिए डेस्टिरनेशन बनता जा रहा है। उत्तराखंड की प्रगति के लिए बारहमासी कनेक्टिविटी जरूरी है। 2023 के बाद बहुत बड़ी संख्या में सर्दियो में लोग यात्रा के लिए जाते थे। 2025 में करीब 40 हजार लोगों ने यहां यात्रा की। शीतकालीन चारधाम यात्रा में करीब 80 हजार लोग आए थे 2025 में यह आंकड़ा डेढ़ लाख पार कर गया है। आज होने वाले हर निर्माण को प्रगति प्रकृति की त्रिवेणी के आधार पर किया जा रहा है। इसलिए इस एक्सप्रेस वे पर करीब 12 किमी लंबा एलिवेटेड कॉरिडोर बनया गया है। मैं आज आप से आग्रह करना चाहता हूं देव भूमि की पवित्र धरोहर को साफ सुथरा रखना हमारा कर्तव्य है। इन इलाकों में प्लास्टिक बोतल, कचरे का ढेर इनसे बचाना बहुत जरूरी है। हमारा कर्तव्य है कि हम इन जगहों को स्वच्छ और सुंदर रखें। अगले साल कुंभ होना, हमें इन्हें सुंदर और स्वच्छ रखने में कसर नहीं छोड़नी है। नंदा देवी राजजात यात्रा भी होनी है। मैं देश भर की बेटियों को यह संदेश देना चाहता हूं कि भारत निर्माण में आपकी बहुत बड़ी भूमिका है। आपकी भागीदारी डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता है। आप देख रही है कि दुनिया में कितना बड़ा संकट आया है, लेकिन हमारा प्रयास है कि आपको कम से कम परेशानी हो। पीएम ने कहा, 21वीं सदी के भारत के विकास की गति की पूरी दुनिया चर्चा कर रही है। कुछ हफ्ते पहले दिल्ली में मेट्रो, मेरठ में मेट्रो, नोएडा में एयरपोर्ट और आज दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस वे शुरू हो रहा है। इतने कम समय में यह हो रहा है। कल्पना कीजिए देश में कितने बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर बन रहा है।

टीएमसी ने बंगाल में खत्म किया उद्योग और रोजगार : राहुल गांधी

मालदा,14 अप्रैल 2026। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के मालदा में चुनावी जनसभा में तृणमुल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर हमला बोला। उन्होंने तृणमुल पर प्रदेश में गुंडाराज चलाने का आरोप लगाया। मालदा के चांचल स्शित कलम बागान में आयोजित जनसभा में राहुल ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के शासन में राज्य में उद्योग और व्यापार खत्म हो गया है। उन्होंने पांच लाख नौकरियों के वादे को 'झूठा' बताते हुए दावा किया कि हजारों युवा रोजगार के इंतजार में है। उन्होंने कहा कि तृणमूल सिर्फ अपने संगठन के हित में काम कर रही है और राज्य में कानून-व्यवस्था बिगड़ चुकी है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा हिंसा फैलाती है, जबकि यहां तृणमूल कांग्रेस हिंसा फैलाने का काम करती है। राहुल गांधी ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा के लोग नफरत फैलाने में लगे हैं। वहीं हम कहते हैं कि देश में एकता होनी चाहिए, भाईचारा होना चाहिए, नफरत मिटनी चाहिए। उन्होंने अपनी भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि उनका मुकाबला नफरत की राजनीति से है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा का मुकाबला टीएमसी नहीं कर सकती है। सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही भाजपा के खिलाफ खड़ी हो सकती है और उसे हरा सकती है। उन्होंने कहा कि यहां एसआईआर के नाम पर वोट चोरी की जा रही है, लेकिन टीएमसी इसे नहीं रोक सकती। सिर्फ कांग्रेस ही इसे रोक सकती है। उन्होंने वादा किया कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो कई जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की जाएंगी। इनमें सभी के लिए दस लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा, कैंसर मरीजों का मुफ्त इलाज, किसानों को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली और सालाना 15 हजार रुपये की सहायता शामिल है।

CMYK

संपादकीय

महिला आरक्षण की पहल

महिला आरक्षण से उन दलों को अवश्य समस्या हो सकती है,जिनका महिलाओं के बीच व्यापक जनाधार नहीं और जो उनकी राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के प्रति उदासीन रहते हैं...

लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रधानमंत्री ने यह सही कहा कि यह इस सदी के महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। पहले यह अधिनियम नई जनगणना के बाद लागू होना था,पर उसमें देरी के चलते सरकार ने इसे 2011 की जनगणना के आधार पर लागू करने का निर्णय किया। इस पर आपत्ति जताई जा रही है,पर इस आपत्ति को महत्व देने से अगले लोकसभा चुनाव में महिला आरक्षण लागू करना संभव नहीं होगा,क्योंकि ताजा जनगणना के आंकड़ों के आधार पर बनने वाले परिसीमन आयोग की रिपोर्ट आने में समय लगता और तब तक 2029 के आम चुनाव हो जाते। इसी कारण इस अधिनियम में संशोधन करने हेतु संसद का एक विशेष सत्र बुलाया गया है।

चूंकि यह सत्र विधानसभा चुनावों के बीच बुलाया जा रहा है,इसलिए कई विपक्षी दलों को यह रास नहीं रहा है। कई विपक्षी नेताओं की मानें तो बीती जनगणना के आधार पर महिला आरक्षण लागू करने से कुछ राज्यों के राजनीतिक हितों की अनदेखी हो सकती है और लोकसभा में उनका प्रतिनिधित्व कम हो सकता है। फिलहाल इस आशंका का कोई पुष्ट आधार नहीं। ध्यान रहे प्रधानमंत्री कई बार यह कह चुके हैं कि महिला आरक्षण के चलते सीटें बढ़ने से किसी राज्य के साथ अन्याय नहीं होगा। ऐसे में अच्छा यह होगा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम का संशोधित प्रारूप सामने आने के बाद ही सवाल और संदेह खड़े किए जाएं। समस्या यह है कि मोदी सरकार कोई भी पहल करती है तो विपक्ष तत्काल उसकी नीयत पर सवाल खड़े करने लगता है। आलोचना-निंदा अनुमान और आशंका के आधार पर नहीं होनी चाहिए।

विपक्ष का यह कथन निराधार तो नहीं कि सरकार इस समय महिला आरक्षण लागू कराने वाली पहल से अपने राजनीतिक हित साधना चाहती है,लेकिन आम तौर पर सरकारों और दलों के तो हर फैसले राजनीतिक हित ध्यान में रखकर ही लिए जाते हैं। यदि महिला आरक्षण को अगले लोकसभा चुनाव में लागू करने वाली पहल सफल होती है तो ऐसा विपक्ष के समर्थन से ही संभव होगा। स्पष्ट है कि महिला आरक्षण का सपना साकार होने का श्रेय उनके खाते में भी जाएगा।

महिला आरक्षण से उन दलों को अवश्य समस्या हो सकती है,जिनका महिलाओं के बीच व्यापक जनाधार नहीं और जो उनकी राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने के प्रति उदासीन रहते हैं। वैसे कोई भी दल महिला आरक्षण का विरोध करने का साहस नहीं कर सकता,क्योंकि अब महिलाएं एक बड़ा और सशक्त वोट बैंक हैं। निःसंदेह महिला आरक्षण से देश का राजनीतिक परिदृश्य और वातावरण बदलेगा, पर यह ध्यान रहे तो बेहतर कि इस आरक्षण मात्र से उनका सामाजिक रूप से उत्थान सुनिश्चित होने वाला नहीं है। इसके लिए सरकारों,राजनीतिक दलों और समाज को कुछ और भी करना होगा।

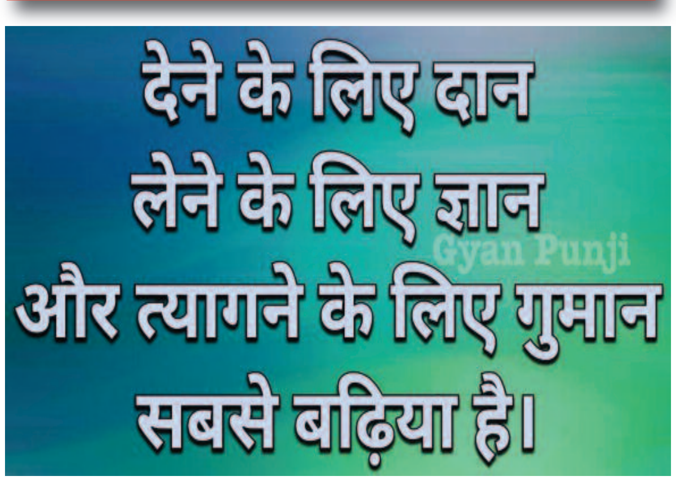

नारी-आरक्षण : नये भारत का आधार एवं संभावनाओं का शिखर

ललित गर्ग
पटपड़गंज,नई दिल्ली

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भारत की राजनीति और समाज में जो नई चेतना उभरकर सामने आई है, वह केवल एक विधायी परिवर्तन का संकेत नहीं,बल्कि एक व्यापक सामाजिक रूपांतरण एवं नये भारत-निर्माण की संभावनाओं की प्रस्तावना है। निश्चिततौर पर भारत अब अपने विकास की धुरी में महिलाओं की सक्रिय और निर्णायक भागीदारी को अनिवार्य मानने लगा है। दशकों से लंबित महिला आरक्षण का मुद्दा केवल संसद के गलियारों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह भारतीय समाज की उस अंतर्धारा से जुड़ा रहा है, जिसमें बराबरी, सम्मान और अवसर की मांग निरंतर उठती रही है। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सही कहा कि यह इस सदी के महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। पहले यह अधिनियम नई जनगणना के बाद लागू होना था,पर उसमें देरी के चलते सरकार ने इसे 2011 की जनगणना के आधार पर लागू करने का निर्णय किया। इस पर विपक्षी दलों ने आपत्ति जताई है, पर इस आपत्ति को महत्व देने से अगले लोकसभा चुनाव में महिला आरक्षण लागू करना संभव नहीं होगा,क्योंकि ताजा जनगणना के आंकड़ों के आधार पर बनने वाले परिसीमन आयोग की रिपोर्ट आने में समय लगता और तब तक 2029 के आम चुनाव हो जाते। इसी कारण इस अधिनियम में संशोधन करने हेतु संसद का एक विशेष सत्र बुलाया गया है। चूंकि यह सत्र विधानसभा चुनावों के बीच बुलाया जा रहा है,इसलिए भी कई विपक्षी दलों को यह कांटों की तरह चुभन दे रहा है।

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास विरोधाभासों से भरा रहा है। एक ओर देश ने इंदिरा गांधी जैसी सशक्त महिला नेतृत्व को देखा, वहीं दूसरी ओर संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या लंबे समय तक सीमित बनी रही। वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास है,जो यह बताती है कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व के स्तर पर अभी भी एक बड़ा अंतर विद्यमान है। इस संदर्भ में महिला आरक्षण अधिनियम उस अंतर को पाटने का एक संगठित और संरचनात्मक प्रयास है। महत्वपूर्ण यह भी है कि इस अधिनियम को लागू करने के संदर्भ में जनगणना और परिसीमन को लेकर जो विवाद सामने आया है, वह भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं को भी उजागर करता है। सरकार द्वारा 2011 की जनगणना के आधार पर इसे लागू करने का निर्णय एक व्यावहारिक दृष्टिकोण को दर्शाता है, क्योंकि नई जनगणना और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया में होने वाली देरी महिला आरक्षण को वर्षों तक टाल सकती थी। विपक्ष की आशंकाएं अपनी जगह पर हैं,परंतु अभी तक उनके समर्थन में ठोस तथ्य सामने नहीं आए हैं। भारतीय राजनीति में किसी भी बे निर्णय को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने की परंपरा रही है और महिला आरक्षण भी इससे अछूता नहीं है। विपक्ष द्वारा यह आरोप लगाना कि सरकार इस पहल के माध्यम से राजनीतिक लाभ लेना चाहती है,लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र में लिए जाने वाले अधिकांश निर्णयों के पीछे राजनीतिक गणित काम करता है। प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि निर्णय के पीछे राजनीतिक लाभ है या नहीं,बल्कि यह होना चाहिए कि उसका प्रभाव समाज पर कितना सकारात्मक पड़ता है। यदि महिला आरक्षण से महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है और नीति निर्माण में उनका दृष्टिकोण शामिल होता है,तो यह संपूर्ण समाज के लिए लाभकारी होगा।

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका में एक उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। महिलाएं अब केवल मतदाता नहीं रहीं,बल्कि वे एक निर्णायक मतदाता वर्ग के रूप में उभरी हैं। 2019 के आम चुनावों में महिला मतदाताओं की भागीदारी पुरुषों के लगभग बराबर रही और कई राज्यों में उन्होंने पुरुषों से अधिक मतदान किया। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं,बल्कि चेतना का संकेत है। महिलाएं अब अपने अधिकारों और हितों के प्रति अधिक सजग हो रही हैं और राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करने की क्षमता रखती हैं।

सरकारी योजनाओं ने भी इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से रसोई गैस की उपलब्धता,जनधन योजना के तहत बैंकिंग सुविधा,स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण और मातृत्व लाभ योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में प्रत्यक्ष सुधार किया है। इन योजनाओं का प्रभाव केवल आर्थिक या भौतिक नहीं,बल्कि सामाजिक और मनो वैज्ञानिक भी रहा है, जिससे महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे सार्वजनिक जीवन में अधिक सक्रिय हुई हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को इस संदर्भ में विशेष रूप से स्मरण किया जाना चाहिए। उन्होंने भारतीय संविधान के माध्यम से समानता और न्याय के सिद्धांतों को स्थापित करते हुए महिलाओं को समान अधिकार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया। उनका यह विश्वास था कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जा सकता है। आज जब महिला आरक्षण की बात हो रही है, तो यह उसी विचारधारा का विस्तार प्रतीत होता है, जिसमें महिलाओं को केवल संरक्षण नहीं,बल्कि सशक्तिकरण का अवसर प्रदान किया जाता है।

हालांकि यह भी समझना आवश्यक है कि महिला आरक्षण अपने आप में कोई अंतिम समाधान नहीं है। यह एक आवश्यक कदम है,परंतु पर्याप्त नहीं। राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ने से महिलाओं की आवाज अवश्य मजबूत होगी,परंतु सामाजिक,आर्थिक और शैक्षिक स्तर पर समानता स्थापित करने के लिए और भी प्रयास करने होंगे। आज भी भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है,जो वैश्विक औसत से काफी कम है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति हुई है,परंतु उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाने की आवश्यकता है। महिला आरक्षण के क्रियान्वयन के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। यह आशंका व्यक्त की जाती रही है कि कई स्थानों पर महिलाएं केवल नाममात्र की प्रतिनिधि बनकर रह जाएंगी और वास्तविक निर्णय उनके पुरुष परिजन लेंगे। पंचायत स्तर पर इस तरह के उदाहरण देखने को मिले हैं,परंतु समय के साथ महिलाओं ने इस स्थिति को बदला भी है और अपने अधिकारों को स्वयं संभालने की क्षमता विकसित की है। इसी प्रकार राजनीतिक प्रशिक्षण और नेतृत्व विकास की आवश्यकता भी महत्वपूर्ण है,ताकि महिलाएं केवल प्रतिनिधि न होकर प्रभावी नीति निर्माता बन सकें। इसके साथ ही राजनीतिक दलों की आंतरिक संरचना में भी परिवर्तन आवश्यक है। यदि दल अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को पर्याप्त स्थान नहीं देंगे तो केवल आरक्षण के माध्यम से वास्तविक सशक्तिकरण संभव नहीं होगा। दलों को चाहिए कि वे महिलाओं को नेतृत्व के अवसर प्रदान करें, उन्हें चुनाव ले ने के लिए प्रोत्साहित करें और उनके लिए अनुकूल वातावरण तैयार करें।

नया भारत जिस विकसित राष्ट्र की कल्पना कर रहा है,उसमें नारी शक्ति की भूमिका केंद्रीय है। आज भारतीय महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। विज्ञान,तकनीक,खेल, शिक्षा, प्रशासन और उद्यमिता-हर क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां यह प्रमाणित करती हैं कि अवसर मिलने पर वे किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं। इसरो की महिला वैज्ञानिकों की सफलता,ओलंपिक में पदक जीतने वाली खिलाड़ियों का प्रदर्शन,और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण के उदाहरण इस परिवर्तन के सशक्त प्रमाण हैं। इस अधिनियम के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि विकास का कोई भी मॉडल तब तक पूर्ण नहीं हो सकता,जब तक उसमें आधी आबादी की समान भागीदारी सुनिश्चित न हो। हालांकि इसके क्रियान्वयन में राजनीतिक मतभेद और व्यावहारिक चुनौतियां सामने आती रहेंगी,परंतु इसकी मूल भावना पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाया जा सकता। आवश्यकता इस बात की है कि इसे एक राजनीतिक मुद्दे के रूप में नहीं,बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन के अवसर के रूप में देखा जाए। यदि सरकार, विपक्ष और समाज मिलकर इस दिशा में कार्य करते हैं, तो यह अधिनियम न केवल महिलाओं के लिए,बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए एक नई दिशा निर्धारित कर सकता है। यही वह मार्ग है,जिस पर चलते हुए भारत एक सशक्त,समावेशी और विकसित राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान को और अधिक मजबूत कर सकता है।

श्रम की थकी हथेलियों से उठता प्रतिरोध

प्रो.आरके जैन अरिजीत
बड़वानी (मप्र)

औद्योगिक भारत का नया अध्याय
वेतन-समीकरण की टूटती रेखाओं से जन्मता सामाजिक कंपन
औद्योगिक तंत्र की दरारों से झाँकता प्रतिरोध: एक अनकही सामाजिक क्रांति

औद्योगिक शहर की चमक-दमक के पीछे दबा असंतोष 13 अप्रैल 2026 को अचानक उभर आया, जब नोएडा के कारखाना क्षेत्रों से उठते धुएँ ने भीतर सुलग रही नाराज़गी को साफ तौर पर सामने ला दिया। फेज-2 और सेक्टर-62 की सड़कों पर उतरे मजदूरों का आक्रोश यह बता रहा था कि अब उनकी पीड़ा अब शिकायत भर नहीं,बल्कि प्रतिरोध का रूप ले चुकी है। पत्थरों की गूंज, जलती गाड़ियों की लपटें और पुलिस की सख्ती के बीच एक ही सवाल बार-बार उठता रहा—कब तक मजदूर अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष करता रहेगा? यह विस्फोट दरअसल किसी एक क्षण की उपज नहीं,बल्कि लंबे समय से चली आ रही आर्थिक उपेक्षा और नीतिगत अनदेखी का परिणाम है।

आक्रोश की जड़ में वेतन असमानता की वही चिंगारी थी,जिसने हालात को भड़काने में अहम भूमिका निभाई। हरियाणा में 35 प्रतिशत वेतन वृद्धि के फैसले ने वहाँ के मजदूरों को राहत दी, लेकिन नोएडा के श्रमिकों के लिए यही तुलना एक गहरे असंतोष में बदल गई। समान कार्य करने वालों के बीच इतना बड़ा वेतन अंतर न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि यह उनकी गरिमा पर भी सीधा आघात करता है। जब एक राज्य में मजदूर सम्मान के साथ जीवन यापन कर सकता है और दूसरे में वही मजदूर बुनियादी जरूरतों के लिए जूझता है, तो यह केवल आर्थिक फर्क नहीं, बल्कि सामाजिक असंतुलन की स्पष्ट तस्वीर भी पेश करता है।

जीवनयापन की बढ़ती लागत ने मजदूरों की हालत को और अधिक संकटपूर्ण बना दिया है। महंगाई के लगातार बढ़ते असर ने रसोई से लेकर किराए तक हर खर्च को लगभग दोगुना कर दिया है। ऐसे में कई साधारण मजदूरों के लिए 12,000 से 15,000 रुपये मासिक वेतन में पूरे परिवार का गुजारा करना

आज लगभग नामुमकिन हो गया है। जब रोजमर्रा की बुनियादी जरूरतें ही पूरी नहीं हो पातीं, तो भविष्य के बारे में सोचना भी कठिन हो जाता है। यही बढ़ता दबाव धीरे-धीरे असंतोष को जन्म देता है, जो आखिरकार सड़कों पर आक्रोश के रूप में सामने आता है।

श्रमिकों पर बढ़ता शोषण इस संकट को और भी तीखा बना देता है। ओवरटाइम का वाजिब भुगतान न मिलना,साप्ताहिक अवकाश से वंचित रहना, स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव और ठेकेदारी व्यवस्था का दबाव—ये सब मिलकर मजदूरों को ऐसे दायरे में कैद कर देते हैं, जहां से बाहर निकलना बेहद कठिन हो जाता है। यही मेहनतकश हाथ देश की अर्थव्यवस्था को गति देते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि सबसे कम सुरक्षा और सम्मान भी इन्हीं के हिस्से आता है। जब श्रम का उचित मूल्य नहीं मिलता, तो असंतोष का फूट पड़ना स्वाभाविक ही है। मजदूरों की आवाज़ केवल वेतन वृद्धि तक सीमित नहीं रही, बल्कि उनके अधिकारों और सम्मान से जुड़ी रही। उन्होंने न्यूनतम वेतन 18,000-20,000 रुपये करने, 12 घंटे की शिफ्ट की जगह 8 घंटे का कार्य समय लागू करने, समय पर बोनस और महिलाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार की मांग की। कई कारखानों में वेतन पर्ची न देना, मनमानी कटौती और असुरक्षित कार्य परिस्थितियाँ सामने आती रहीं। कई मजदूरों ने महिलाओं के साथ उत्पीड़न और सुरक्षा की कमी की शिकायतें भी उठाईं, साथ ही अलग शिकायत समिति और सुरक्षित कार्य वातावरण की मांग की। स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में छोटी बीमारियाँ भी गंभीर समस्या बन जाती हैं। यही लंबे समय से दबी हुई माँगें आखिरकार सड़क पर उबल पड़ीं।

उग्र हिंसा इस असंतोष की चरम अभिव्यक्ति हो सकती है, लेकिन यह किसी भी समस्या का समाधान नहीं बन सकती। नोएडा में हुई आगजनी और तोड़फोड़ ने यह स्पष्ट कर दिया कि जब संवाद के रास्ते बंद हो जाते हैं, तो हालात तेजी से नियंत्रण से बाहर हो जाते हैं। इस हिंसा ने न केवल सरकारी और निजी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया, बल्कि आम नागरिकों के जीवन को भी प्रभावित किया और उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। ऐसे में जरूरी है कि विरोध की ऊर्जा को रचनात्मक दिशा दी जाए और संवाद को प्राथमिकता दी जाए।

घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सरकारी प्रतिक्रिया अभी भी अपनी सीमाओं में बंधी हुई है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा घोषित उपाय—जैसे साप्ताहिक अवकाश, ओवरटाइम का दोगुना भुगतान और स्वास्थ्य सुविधाएं—सकारात्मक जरूर हैं,पर वे समस्या की जड़ को नहीं छूते। न्यूनतम वेतन में वृद्धि की अनदेखी यह दर्शाती है कि सरकार अब भी मूल कारणों तक पहुंचने में पीछे है। जब तक मजदूरों की आय और उनके बढ़ते खर्चों के बीच संतुलन स्थापित नहीं होगा, तब तक ये प्रयास केवल अस्थायी राहत तक ही सीमित रहेंगे, स्थायी समाधान नहीं बन पाएंगे।

तेजी से बदलते हालात यह संकेत दे रहे हैं कि समस्या अब स्थानीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर फैल चुकी है। देशभर के कई औद्योगिक क्षेत्रों (विशेषकर गुरुग्राम-मानेसर,सूरत, अलवर आदि) में मजदूर असंतोष बढ़ रहा है। यह स्थिति दर्शाती है कि देशभर में श्रम नीतियों की कमियां अब खुलकर सामने आ रही हैं। राज्यों के बीच वेतन असमानता और कमजोर कानून व्यवस्था ने इस संकट को और गहरा बना दिया है। यदि समय रहते इस पर प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो यह असंतोष आगे चलकर गंभीर सामाजिक और आर्थिक संकट में बदल सकता है।

हिमाचल दिवस

मन्नत रंधावा
गाहलियां
कांगड़ा,हिमाचल प्रदेश

दशकों के संघर्ष और भारत की स्वतंत्रता के बाद,मुख्य आयुक्त के प्रांत हिमाचल प्रदेश को अंततः 15 अप्रैल,1948 को मान्यता मिली। इस दिन हिमाचल प्रदेश को भारत का प्रांत घोषित किया गया था,इसलिए प्रत्येक वर्ष इस तिथि को हिमाचल दिवस के रूप में मनाया जाता है। साथ ही, इस दिन राज्य में सार्वजनिक अवकाश भी घोषित किया जाता है।

इस विशेष अवसर के उपलक्ष्य में शिमला शहर में एक भव्य परेड निकाली जाती है। राज्य के विभिन्न शहरों, कस्बों और गांवों में भी कई स्थानीय कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। मंडी,चंबा,महासू और सिरमौर को इसी दिन लगभग एक दर्जन अन्य रियासतों के साथ एकीकृत किया गया था। युवा कवि लेखक डॉ राजीव डोगरा ने अपनी कविता हिमाचल गान में भी लिखा है

फैली हरियाली ,सुगंधित सुमन
महके समीर,बहकी कलियाँ
ऐसी गोद हिमाचल की
जय जय जय हिमाचल की।

हिमाचल प्रदेश दिवस की उत्पत्ति स्वतंत्रता-पूर्व राज्य हिमाचल प्रदेश से मानी जाती है। हिमाचल नाम दो संस्कृत शब्दों अचल (जिसका अर्थ है गोद) और हिमा (जिसका अर्थ है बर्फ) से मिलकर बना है। यह क्षेत्र हिमालय की गोद में स्थित है।

ब्रिटिश साम्राज्य के औपनिवेशिक

विस्तार से पहले,गोरखाओं का हिमाचल प्रदेश,शिमला और आसपास के क्षेत्रों में निवास था। एंग्लो-नेपाली युद्ध के बाद, गोरखा साम्राज्य अंततः पराजित हो गया और अंग्रेजों ने हिमाचल प्रदेश पर नियंत्रण कर लिया। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान अधिकांश पहाड़ी राज्यों के नेताओं ने कच्चा माल और श्रम उपलब्ध कराकर अंग्रेजों का समर्थन किया था। इस राज्य के गौरवशाली अतीत के सम्मान में हिमाचल दिवस मनाया जाता है।

मदमस्त धूप,अनंत गगन
मीठी बातें,ठंडी रातें
धौलाधार की श्रंखलाएँ
देवों की भूमि,सनातन की आन
ऐसी गोद हिमाचल की

हिमाचल प्रदेश दिवस हिमाचल प्रदेश के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है,क्योंकि यह उनकी एकता, विविधता और सांस्कृतिक विरासत पर गर्व का प्रतीक है। यह दिन राज्य की समृद्ध विरासत,अनूठी परंपराओं और पारंपरिक कला रूपों का जश्न मनाने का दिन है, जो राज्य की पहचान का अभिन्न अंग हैं। इस दिन सरकार और स्थानीय समुदायों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम,आयोजन और गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं, जिनमें राज्य के पारंपरिक नृत्य, संगीत और कलाओं का प्रदर्शन किया जाता है। यह उन नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान और बलिदान को श्रद्धांजलि देने का भी अवसर है जिन्होंने हिमाचल प्रदेश को एक अलग राज्य के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा, कि कठिन भौगोलिक परिस्थितियाँ,दुर्गम क्षेत्र और अन्य जटिलताएँ लोगों के साहस को प्रभावित नहीं कर सकीं,और ईमानदारी और परिश्रम से काम करने वाले लोगों ने इसे नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया।

सावधान ! यहाँ यादें वर्जित हैं...

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

उस पुराने मकान की ढहरी हुई मुंडेर पर बैठी वह गौरैया अब घर की मालकिन नहीं,बल्कि एक अनधिकार चेष्टा थी। पिता की मृत्यु के बाद घर की चौखट अचानक ऊँची हो गई थी और माँ की अर्थी के साथ ही वे तमाम स्मृतियाँ भी विदा हो गईं जो ईंट-गारे के इस ढाँचे को मायका कहती थीं। अब वहाँ नीम का वह पेड़ मात्र एक लकड़ी का लट्ठा था, जिसके नीचे बचपन की सिसकियाँ दफन थीं। भाई की आँखों में अब ममत्व की जगह खतौनी के नंबर चमकते थे और भौजाई की मुस्कुराहट में उस बासी बची हुई चाय की कड़वाहट थी,जो औपचारिकता के चूल्हे पर खौल रही थी। वह घर,जो कभी फेफड़ों की तरह साँस लेता था,अब एक निर्जीव अजायबघर बन चुका था जहाँ उसकी गुड़िया के टूटे हाथ और पुरानी कापियाँ अतिक्रमण की श्रेणी में डाल दी गई थीं। वह अपनी ही जड़ों से उखड़े हुए उस गमले की तरह थी जिसे अब बरामदे के कोने में जगह मिलने पर अहसान मानना था। सम्बन्धों की इस ढहती हुई सल्तनत में प्रतीक अब बदल चुके थे। पिता के चश्मे का शीशा जो कभी नैतिकता का लेंस था,अब धूल की परतों में सुबक रहा था। जिस कमरे में वह कभी बेखौफ होकर पैर फैलाती थी, वहाँ अब संदूक और फालतू सामान का पहरा था—मानो घर ने अपनी बेटी को पहचानने से इनकार कर दिया हो। मायका अब उस पुराने कोट की तरह था जिसे सहेजने का मन तो सबका था,पर पहनने का साहस किसी में नहीं। भाई के शब्द अब शहद में डुबाए हुए नश्तर थे, जो बार-बार यह अहसास दिलाते थे कि संभ्रांत परिवारों में विवाहित बेटियाँ केवल अतिथि होती हैं, और अतिथि का अधिक ठहरना शास्त्र सम्मत नहीं। वह घर अब एक ऐसा भूगोल बन गया था जिसकी सीमा रेखाएं उसकी विदाई के दिन ही खींच दी गई थीं,बस सूचना का प्रेषण माता-पिता की अंतिम सांसों तक रुका हुआ था।

मायका एक मानसिक अवस्था थी, जो भौतिक देह के पंचतत्व में विलीन होते ही लुप्त हो गई। अब वहाँ केवल स्मृतियों का एक कबाड़खाना था जहाँ वह अपनी पहचान ढूँढने आई थी, पर उसे मिला केवल सन्नाटा और दीवारों पर जमी हुई सीलन। जिस आंगन को वह अपना ब्रह्मांड समझती थी, वह अब एक विवादित भूखंड मात्र था। वह खुद को उस डाकघर की तरह महसूस कर रही थी जहाँ पत्र तो आते हैं, पर पाने वाले का पता बदल चुका होता है। माँ की रसोई अब एक प्रयोगशाला थी जहाँ केवल नपे-तुले रिश्तों का स्वाद चखा जाता था। वहाँ अब प्रेम की जगह प्रोटोकॉल ने ले ली थी। वह समझ गई कि माता-पिता के बिना मायका केवल एक रूपक है, जिसे समाज ने लड़कियों को बहलाने के लिए गढ़ा था ताकि वे अपनी जड़ों की तलाश में भटकती रहें। अंतिम दिन जब वह चलने लगी, तो भाई ने उसे एक पुराना पीतल का लोटा थमा दिया—शायद विरासत का अंतिम अवशेष। उसने लोटे में झाँका, वह खाली था, बिल्कुल उसके मायके के अहसास की तरह। तभी उसने देखा कि आँगन के बीचों-बीच लगा वह पुराना अमरूद का पेड़,जिसे उसने अपने हाथों से सींचा था,रातों-रात काटकर जड़ से उखाड़ दिया गया था। उसने सिसकते हुए पूछा—यह क्या हुआ? भाई ने बड़ी सहजता से कहा—बहन,इस जगह अब कार पार्किंग बनेगी, बेवजह जड़ें नींव हिला रही थीं। उसने अपना सूटकेस उठाया और मुड़कर देखा, तो पाया कि घर के मुख्य द्वार पर उसके नाम की नेमप्लेट (पिता ने अपनी बेटी के नाम पर ही घर का नेमप्लेट बनवाया था) की जगह सावधान,कुत्तों से बचें का बोर्ड टंग चुका था। वह घर जिसे वह अपना समझ रही थी,दरअसल एक श्मशान था जहाँ उसकी यादों का अंतिम संस्कार पहले ही हो चुका था। उसने लोटा वहीं छोड़ा और बिना पीछे मुड़े उस पार्किंग लॉट से बाहर निकल गई।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

दिव्या सिंह सिसोदिया की पहल से करम्हा में बाबा साहेब की प्रतिमा का अनावरण

डॉ. अंबेडकर की 136वीं जयंती पर सरगुजा में चौथी प्रतिमा स्थापित,जन-जन तक विचार पहुंचाने का संकल्प

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

डॉ. भीमराव अंबेडकर की 136वीं जयंती के अवसर पर सरगुजा जिले के ग्राम करम्हा (जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक-1) में बाबा साहेब की भव्य प्रतिमा का विधिवत अनावरण किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया,लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज तथा जिला पंचायत सदस्य दिव्या सिंह सिसोदिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। यह प्रतिमा श्रीमती दिव्या सिंह सिसोदिया की पहल एवं उनके विभागीय मद से स्थापित की गई है,जो सरगुजा जिले की चौथी प्रतिमा है। यह प्रतिमा सामाजिक न्याय, समानता और संविधान के मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक मानी जा रही है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि बाबा साहेब ने दलितों,शोषितों और वंचितों को अधिकार दिलाने हेतु संविधान की रचना कर ऐतिहासिक कार्य किया। उनके विचार आज भी समाज को समानता और न्याय की दिशा में प्रेरित करते हैं। लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने कहा कि बाबा साहेब के प्रयासों से ही देश में सामाजिक सुधारों की नींव पड़ी। हिंदू कोड बिल और आरक्षण जैसी व्यवस्थाओं ने समाज को नई दिशा दी। उन्होंने कहा कि सरगुजा क्षेत्र में तेजी से हो रहा विकास उसी सोच का परिणाम है। जिला पंचायत सदस्य दिव्या सिंह सिसोदिया ने कहा कि इस प्रतिमा का उद्देश्य क्षेत्र के हर व्यक्ति तक बाबा साहेब के विचारों को पहुंचाना है।

उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के माध्यम से गांवों को सशक्त बनाना ही बाबा साहेब के सपनों को साकार करना है। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य राधा रवि, जनपद सदस्य अनामिका पैंकरा,विजय व्यापारी,मुनेश्वरी पैंकरा,एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष महेंद्र रवि,मंडल अध्यक्ष संतोष जायसवाल,युवा मोर्चा महामंत्री अविनाश मंडल,महिला मोर्चा अध्यक्ष रूपा गुप्ता,रोहन मंडल,सरपंच सोनिका सोनपाकर सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती पर कांग्रेस ने किया विचार गोष्ठी का आयोजन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।
बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती पर आज जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी एस सिंहदेव की उपस्थित में विचार गोष्ठी का आयोजन कर उनके योगदान को याद किया गया। विचारगोष्ठी की शुरुआत डॉ आंबेडकर के तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर प्रारंभ किया गया। इस दौरान आयोजित सभा को संबोधित करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी एस सिंहदेव ने कहा कि भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहब अम्बेडकर ने हमें न्याय, समानता और भाईचारे के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं और हम उनका अनुसरण करते हैं। सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्री बालकृष्ण पाठक ने बाबा साहब की उस चिंता से अवगत कराया जिसमें उन्होंने कहा था कि देश का संविधान उसपर सदाशय या दुराशय से उपयोग करने वाली सत्ता के आधार पर अपने परिणामों को प्रस्तुत करेगा। दुर्भाग्य से आज संविधान उन हाथों में है जिन्होंने इसे कभी स्वीकार नहीं किया। इसकी सजा आज पूरे देश की जनता भुगत रही है। सभा को 20 सूत्रीय कार्यक्रम के पूर्व अध्यक्ष अजय अग्रवाल,पूर्व महामंत्री डॉ अजय तिर्की,निगम में नेता प्रतिपक्ष शफ़ी अहमद और पीसीसी महामंत्री द्वितेंद्र मिश्रा,ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम संचालन सेवादल के जिलाध्यक्ष लोकेश कुमार ने किया। कांग्रेस सेवादल के नेतृत्व में आज सुबह जिला कांग्रेस अध्यक्ष और कार्यकर्ताओं ने राजीव भवन से अम्बेडकर चौक तक प्रभात फेरी निकाल प्रतिमा स्थल की सफाई की और बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया।

राजीव भवन में आयोजित सभा में अरविंद सिंह,मो इस्लाम,संजय विश्वकर्मा, सत्येंद्र तिवारी,प्रशांत सिंह,इंद्रजीत सिंह धंजल,रामविनय सिंह,जगन्नाथ कुशवाहा,विनीत विशाल जायसवाल,विनोद एक्का,सुधांशु गुप्ता, अतुल तिवारी,ए जी सांडिल्य,मदन जायसवाल,शैलेश सिंह, राशिद अहमद,मेराज रंगरेज,मो हसन, लुकस एक्का,अनूप मेहता,जमील खान,आलोक सिंह, अशफाक अलि,प्रमोद चौधरी,प्रीति सिंह, सोहन जायसवाल,रजनीश सिंह,सतीश बारी, निकी खान,नीतीश चौरसिया,अमित सिन्हा,शांतनु मुखर्जी,अविनाश कुमार,अमित कुमार सिंह, अशोक सिंह,लखन मरावी,नवनीत तिवारी, अनिमा प्रकाश,साधना जायसवाल,विभा सिन्हा, प्रणय बोस,चंचला सांडिल्य,रूपा ठाकुर,सावित्री ठाकुर,हामिद बानो,शकीला सिद्दकी,अदिप एक्का, धरम साय,वीरेंद्र सिन्हा,लोलार सिंह आदि उपस्थित रहे।

भाजयुमो ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर दी भावभीनी श्रद्धांजलि

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।
भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का आयोजन भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिया के आह्वान,भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसौदिया के मार्गदर्शन एवं भाजयुमो जिला अध्यक्ष निशांत सिंह (सोलू) की उपस्थिति में किया गया। अंबिकापुर शहर के मां महामाया मंडल के युमो अध्यक्ष सुधांशु चौबे एवं समालया मंडल के अध्यक्ष आयुष दुबे के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने स्थानीय अंबेडकर चौक स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने'बाबा साहेब अमर रहें'और 'संविधान निर्माता अमर रहें'जैसे नारे लगाए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने देश को एक मजबूत संविधान देने के साथ-साथ समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने स्वतंत्रता के समय थे।

कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे समाज में जातिगत भेदभाव को समाप्त कर एक सशक्त और समरस राष्ट्र के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएंगे। इस अवसर पर भाजयुमो प्रदेश मंत्री प्रिया सिंह,मनोज कंसारी,निरंजन रॉय,संजीव वर्मा,मधु चौधरी,नीलम रजवाड़े,रवि विश्वकर्मा,अनीश सिंह, रवजोत सिंह,ओंकारेश्वर सिंह,आदित्य गौतम, अभिषेक माथुर,आदित्य पांडेय सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा मंडल लखनपुर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जन्म जयंती हर्षोल्लास से मनाई

-संवाददाता-
लखनपुर,14 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
भारतीय जनता पार्टी मंडल लखनपुर द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जन्म जयंती के पावन अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया। जयंती के एक दिन पूर्व कार्यकर्ताओं ने अंबेडकर की प्रतिमा स्थल की साफ-सफाई की, संध्या दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण किया। इससे पूरे वातावरण में श्रद्धा और सम्मान का भाव छा गया। जयंती के दिन प्रात: भाजपा के जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर मिष्ठान वितरण भी किया गया तथा उपस्थितजनों को उनके जीवन,संघर्ष और संविधान निर्माण में उनके अमूल्य योगदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। इसी क्रम में नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 15 शिवपुरी में भाजपा मंडल के तत्वावधान में एक विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अंबेडकर की प्रतिमा के लिए भूमि पूजन भी संपन्न हुआ। संगोष्ठी में मुख्य रूप से भाजपा जिला महामंत्री विनोद मंत्री,नकुल सोनकर,प्रतिनिधि रवि अग्रवाल,राकेश अग्रवाल,दिनेश साहू,मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी,राजेंद्र जायसवाल,मेश्वर राजवाड़े,अनिल राजवाड़े,मोहन राजवाड़े,यतेन्द्र पांडे,राहुल अग्रवाल,सुरेश जायसवाल,शिवा राज सिंह,महामंत्री सचिन बंसल,महेश्वर राजवाड़े,एससी मोर्चा अध्यक्ष दीपक सारथी,चेतन राजवाड़े,राम सागर साहू,घरभरन राजवाड़े सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संगोष्ठी में वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के जीवन और उनके आदर्शों पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने समाज में समरसता, समानता एवं शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

लखनपुर ब्लॉक कांग्रेस ने मनाई डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135 वीं जयंती

-संवाददाता-
लखनपुर,14 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लखनपुर द्वारा संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती मंगलवार,24 अप्रैल 2026 को गरिमामय तरीके से मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अमित सिंह देव के नेतृत्व में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर की गई। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डॉ. अंबेडकर द्वारा दिखाए गए मार्ग–समानता,न्याय और भाईचारा–पर चलने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन,उनके संघर्ष और भारतीय संविधान निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा उनके आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान किया,प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि विक्रमादित्य सिंह देव, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष कृपा शंकर गुप्ता,प्रदेश सचिव रणविजय सिंह देव,वीरेंद्र सिंह देव,दिनेश तायल,मंडल अध्यक्ष रमेश जायसवाल, जगरोपन यादव,विनोद सिंह,भूखल राम,जमील खान,मुकेश सिंह,सूरज सिंह,सतेन्द्र राय,इरशाद खान, रामसुजान,अजर चौधरी,जसीमुद्दीन खान,सुजीत गुप्ता,मकसूद हुसैन,गप्पू खान,मोजिब खान,बाबर हुसैन, दिलसाय,उमेश कुमार,रामपुकार यादव,इमरान हुसैन,इलाहीद खान,संजय प्रजापति,भूपेंद्र जायसवाल,जियाउल खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नजूल लीज नवीनीकरण में सुस्ती,20 हजार पट्टाधारी परेशान

31 मार्च के बाद खत्म हुई अवधि,बैंक नोटिस से बढ़ी व्यापारियों की चिंता

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

नगर निगम क्षेत्र में नजूल भूमि के करीब 20 हजार पट्टाधारियों को लीज नवीनीकरण में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इनमें से लगभग 80 प्रतिशत पट्टों की अवधि 31 मार्च 2026 को समाप्त हो चुकी है। समय पर नवीनीकरण नहीं होने से आम नागरिकों और व्यापारियों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। जानकारी के अनुसार, शहर के कई व्यापारियों ने नजूल भूमि को बैंक में मॉर्गेज रखकर लोन और कैश क्रेडिट लिमिट ले रखी है। लीज अवधि समाप्त होने के बाद बैंक ऑडिट में उन्हें नोटिस जारी किए जा रहे हैं और लिमिट बंद करने की चेतावनी भी दी जा रही है। इससे व्यापारियों पर आर्थिक दबाव बढ़ गया है।

राजस्व दफ्तर के चक्कर, बिचौलियों की सक्रियता से बढ़ी परेशानी : लीज नवीनीकरण की प्रक्रिया राजस्व विभाग में धीमी होने के कारण लोगों को बार-बार कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। आरोप है कि इस बीच कुछ बिचौलिए सक्रिय हो गए हैं और पट्टाधारियों से अवैध वसूली कर रहे हैं,जिससे आम लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। इस संबंध में पार्षद व भाजपा नेता आलोक दुबे ने कलेक्टर अजीत बसंत को पत्र लिखकर समस्या से अवगत कराया है। उन्होंने मांग की है कि नगर निगम के सभी वार्डों में शिविर लगाकर नजूल तहसीलदार,राजस्व निरीक्षक और पटवारियों की संयुक्त टीम मौके पर सत्यापन कर लीज नवीनीकरण की प्रक्रिया पूरी करे। उन्होंने कहा कि भू-राजस्व संहिता की धारा 165 और 182 के तहत 30 वर्ष के लिए नवीनीकरण किया जाना चाहिए, ताकि शहरवासियों को राहत मिल सके और अनावश्यक परेशानियों से बचा जा सके।

सूने मकान में घुसे चोरों ने पार किए 80 हजार नकद व जेवरात

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
शहर के जरहागढ़ में स्थित एक सूने मकान में चोरी की वारदात सामने आई है। चोरों ने 80 हजार रुपये नकद व जेवरात पार कर दी है। इस मकान में पूर्व में भी चोरी की वारदात हुई थी। कोतवाली पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार जरहागढ़ निवासी एस्तेसाम हुसैन ने बताया कि मकान के भू तल में उसका साला महताब रहता है,जो वर्तमान में परिवार के साथ बाहर गया है। सोमवार की रात को वह परिवार के साथ मकान के प्रथम तल में था। रात में वे करीब 2.30 बजे तक जगे थे। सुबह नींद खुली और वे नीचे आए तो उनके साला महताब के कमरे का पूरा सामान बिखरा हुआ था। अलमारी खुला था और अंदर रखा नकदी रकम और सोने, चांदी का जेवरात नहीं था।

गीता ज्ञान से मिलता अतींद्रिय सुख,जीवन की समस्याओं का समाधान ब्रह्माकुमारीज के सप्त दिवसीय कार्यक्रम में गीता दीदी का संबोधन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय श्रीमद् भगवत गीता ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन मुख्य वक्ता योग शक्ति गीता दीदी ने कहा कि गीता ज्ञान मनुष्य को परमात्मा से जोड़कर अतींद्रिय सुख का अनुभव कराता है। उन्होंने कहा कि गीता में जीवन की सभी समस्याओं का समाधान निहित है। गीता दीदी ने महात्मा गांधी का उदाहरण देते हुए बताया कि जब भी वे किसी उलझन में होते थे,तो गीता का अध्ययन करते थे। उन्होंने कहा कि अधिकांश समस्याएं मन से उत्पन्न होती हैं और बाद में शरीर पर भी उसका प्रभाव दिखाई देता है। गीता एक योग शास्त्र है, जो मनुष्य को परमात्मा से जोड़कर अंदर चल रहे विकारों और बुराइयों को समाप्त करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने महाभारत के पात्रों के माध्यम से समझाते हुए कहा कि भीष्म पुरानी मान्यताओं,द्रोण जाति और धर्म के भेदभाव का प्रतीक हैं,जो समाज में अधर्म को बढ़ाते हैं। ऐसे में समाज के बुजुर्गों की जिम्मेदारी है कि वे सभी के साथ न्याय करें। गीता दीदी ने कहा कि काम, क्रोध, लोभ,मोह और अहंकार जैसे विकार ही दुख का कारण हैं। इनसे मुक्त होकर ही सच्चे सुख की प्राप्ति संभव है। गीता हमें अपने कर्तव्यों का पालन करने और मोह से दूर रहने की सीख देती है।

दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं देव पूजन के साथ किया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज की सरगुजा संभाग की संचालिका विद्या दीदी,पार्षद आलोक दुबे,नई दुनिया के ब्यूरो चीफ अनंग पाल दीक्षित,समाजसेवी अनिल मिश्रा और मंगल पांडेय सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों ने गीता दीदी का शाल,श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मान किया और कार्यक्रम की सराहना करते हुए अधिक से अधिक लोगों से इसमें शामिल होने का आह्वान किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

कार्यक्रम में बीके रेखा ने भक्ति गीत प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। वहीं अदिति और परी ने स्वागत नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में शहर के बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। यह आयोजन 18 अप्रैल तक प्रतिदिन शाम 5 से 7 बजे तक जारी रहेगा।

असकला में भी गीता ज्ञान यज्ञ का आयोजन

इधर ग्राम असकला में भी तीन दिवसीय श्रीमद् भगवत गीता ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज, गीता दीदी, विद्या दीदी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। असकला में यह कार्यक्रम 14 अप्रैल को सुबह 10 बजे

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार,पुलिस की त्वरित कार्रवाई

-संवाददाता-
लखनपुर,14 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

थाना लखनपुर पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थिया ने थाना लखनपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 12 अप्रैल 2026 को ग्राम गोरता निवासी अभिषेक दास ने उसके घर में घुसकर उसकी नाबालिग बेटी के साथ जबरन दुष्कर्म किया। इस पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 99/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 65(1), 332 एवं पॉक्सो एक्ट की धारा 4(2) के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर प्रार्थिया एवं पीड़िता के बयान दर्ज किए और आरोपी की तलाश शुरू की। तत्पश्चात आरोपी अभिषेक दास (उम्र 19 वर्ष, निवासी गोरता, थाना लखनपुर) को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उसने अपराध करना स्वीकार किया। पुलिस ने पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक सम्पत पोटाई, सहायक उपनिरीक्षक निर्मला कश्यप, प्रधान आरक्षक पीताम्बर सिंह, आरक्षक सोहन राजवाड़े एवं केशर पैकरा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सीतापुर विधायक के जाति प्रमाण-पत्र पर विवाद गहराया

हाईकोर्ट के निर्देश पर 90 दिन में जांच पूरी करने का आदेश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो के जाति प्रमाण पत्र की वैधता को लेकर विवाद एक बार फिर गहरा गया है। जनजाति सुरक्षा मंच के जिला संयोजक बिहारी लाल तिर्की ने प्रेस वार्ता में आरोप लगाया कि प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया शुरू से ही संदिग्ध रही है और जांच में कई अनियमितताएं सामने आई हैं। जानकारी के अनुसार,संबंधित जाति प्रमाण पत्र 19 सितंबर 2023 को अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम), लैलूंगा कार्यालय से जारी किया गया था। इसके खिलाफ 21 अक्टूबर 2023 को जिला स्तरीय जाति प्रमाण पत्र छानबीन समिति, रायगढ़ में शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसी बीच विधानसभा चुनाव की घोषणा होने पर मामले में त्वरित सुनवाई के लिए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट, बिलासपुर में रिट याचिका (क्रमांक 4587/2023) दायर की गई। बताया गया कि हाईकोर्ट ने पहले ही जिला स्तरीय समिति को जांच के निर्देश दिए थे, लेकिन करीब दो वर्षों तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी। इसके बाद वर्ष 2026 में पुनः रिट याचिका दायर की गई। इस पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने 2 अप्रैल 2026 को आदेश जारी कर संबंधित समिति को 90 दिनों के भीतर जांच पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

जांच प्रभावित न हो, इसलिए सीमित जानकारी साझा : बिहारी लाल तिर्की ने कहा कि प्रकरण से जुड़े कई अहम तथ्य ऐसे हैं, जिन्हें फिलहाल सार्वजनिक नहीं किया जा सकता,ताकि जांच प्रक्रिया प्रभावित न हो। उन्होंने अधिवक्ता ऋषिराज सिंह के सहयोग का भी उल्लेख किया, जिन्होंने दस्तावेजों के संकलन और मामले को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

न्यायपालिका पर भरोसा और मजबूत होगा : उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के इस आदेश से आम जनता का न्यायपालिका पर विश्वास और मजबूत होगा तथा संविधान के मूल्यों की रक्षा सुनिश्चित होगी। यह जानकारी डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती के अवसर पर आमजन तक पहुंचाई गई।

आरोप निराधार, साबित करें शिकायतकर्ता

इधर, विधायक रामकुमार टोप्पो ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि जब वे चुनाव लड़ रहे थे, तभी से यह मामला हाईकोर्ट में लगाया गया था। उन्होंने कहा कि यदि जाति प्रमाण पत्र फर्जी है तो शिकायतकर्ता इसे प्रमाणित करें। अब तक कोई ठोस दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए हैं और केवल बेबुनियाद आरोप लगाकर उनकी छवि धूमिल करने की कोशिश की जा रही है।

लंबे समय से अनुपस्थित शिक्षकों की होगी सेवा समाप्ति,विभागीय जांच तेज करने के निर्देश

पहाड़ी कोरवा एवं पंडो जनजाति के बच्चों के लिए चलेगा विशेष सर्वे अभियान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश झा की अध्यक्षता में सोमवार को पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी , सहायक विकासखंड शिक्षा अधिकारी, बीआरसी और संकुल प्राचार्यों को नए शिक्षा सत्र के सुचारू संचालन और प्रशासनिक कसावट हेतु कड़े दिशा-निर्देश दिए गए।

छात्रों के दस्तावेज और सुविधाओं पर जोर

बैठक की शुरुआत में सहायक संचालक श्री रवि शंकर तिवारी ने छात्रों के अपार आईडी जनरेशन, जन्म प्रमाण पत्र और आधार कार्ड अपडेशन की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी बच्चों के अनिवार्य दस्तावेज समय-सीमा में तैयार किए जाएं। जिला शिक्षा अधिकारी ने निर्देशित किया कि नया सत्र शुरू होने से पहले गणवेश, पाठ्य पुस्तकें और साइकिल वितरण की सभी तैयारियां शत-प्रतिशत पूर्ण कर ली जाएं।

अनुशासनहीनता पर सख्त रुख

प्रशासनिक सुधार की दिशा में डॉ. झा ने सख्त निर्देश दिए कि जो शिक्षक लंबे समय से अपने कर्तव्यों से अनुपस्थित हैं, उनके विरुद्ध चल रही विभागीय जांच को तत्काल पूर्ण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें ताकि उनकी बर्खास्तगी की कार्यवाही की जा सके। इसके साथ ही, स्कूलों में आधार बेस्ड अटेंडेंस और 'आईगॉट कर्मयोगी' पोर्टल पर अनिवार्य प्रशिक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

निजी स्कूलों के लिए सख्त गाइडलाइन

निजी विद्यालयों की मनमानी पर अंकुश लगाते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी निजी स्कूल अभिभावकों को किसी विशेष दुकान से कॉपी-किताब या यूनिफॉर्म खरीदने के लिए बाध्य नहीं करेगा। सीबीएसई स्कूलों में एनसीईआरटी की पुस्तकों से ही अध्यापन कराया जाए। स्कूलों का संचालन और शुल्क निर्धारण शासन की गाइडलाइन के अनुसार ही होगा। निजी स्कूलों की पीटीएम में विभाग के प्रतिनिधि के रूप में नोडल प्राचार्य अनिवार्य रूप से शामिल होंगे।

वंचित वर्गों के लिए विशेष पहल

सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा एवं पंडो जाति के बच्चों के लिए विशेष सर्वे करने के निर्देश दिए गए हैं। यदि कोई बच्चा 'आउट ऑफ स्कूल' पाया जाता है, तो उसे तत्काल विद्यालय में प्रवेश दिलाकर उनकी पढ़ाई की सतत् निगरानी की जाएगी। डॉ. झा ने किसी भी संकुल में ड्रॉप आउट बच्चे मिलने पर संबंधित संकुल समन्वयक के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

अधोसंरचना और वित्तीय सुधार

बैठक में स्कूलों के सुदृढ़ीकरण हेतु अगले 5 वर्षों की कार्य योजना, प्रार्थना शेड और बालिका शौचालयों के प्रस्ताव तत्काल भेजने को कहा गया। साथ ही, शिक्षकों के सर्विस बुक अपडेशन और सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के स्वत्वों के समय पर भुगतान के निर्देश दिए गए। बैठक में ई-प्रबंधक श्री वैभव सिंह ने तकनीकी समस्याओं का निराकरण किया।

लापरवाही बरतने पर बेलखरिखा के ग्राम पंचायत सचिव को निलंबित करने के निर्देश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
जिला पंचायत सीईओ विनय अग्रवाल ने लखनपुर जनपद के भ्रमण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री अग्रवाल बेलखरिखा में आयोजित ग्राम सभा में शामिल हुए। वहां कार्यों की समीक्षा के दौरान ग्राम पंचायत सचिव लालसाय की अनाधिकृत अनुपस्थिति और असंतोषजनक कार्यशैली पाए जाने पर उन्होंने तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासकीय कार्यों में लापरवाही और आमजन की समस्याओं के प्रति उदासीनता बरतने पर कार्यवाही की जाएगी।

संपूर्णता अभियान 2.0 और जनसंवाद : जिला पंचायत सीईओ श्री विनय अग्रवाल ने बेलखरिखा में वर्षों से अपूर्ण कार्यों की जांच कराकर उन्हें 15 दिवस के भीतर प्रारंभ करने के निर्देश दिए। कार्य प्रारंभ नहीं होने की स्थिति में संबंधित सरपंच एवं सचिव के विरुद्ध आरआरसी जारी करने की निर्देश दिए। साथ ही अधूरे प्रधानमंत्री आवासों को मई माह तक अनिवार्य रूप से पूर्ण करने को निर्देशित किया। बेलखरिखा में आयोजित जन चौपाल कार्यक्रम में आकांक्षी विकासखंड लखनपुर के तहत संचालित 'संपूर्णता अभियान 2.0' (28 जनवरी से 14 अप्रैल 2026) की उपलब्धियों पर चर्चा की गई। सीईओ ने विभिन्न स्वास्थ्य और पोषण सूचकों में शत-प्रतिशत संतृप्ति प्राप्त करने हेतु ग्रामीणों और मितानिनों को प्रेरित किया।

ड्रिंक एंड ड्राइव के 3 मामलों में कार्रवाई, स्कॉर्पियो चालक सहित तीन वाहन चालकों पर 30 हजार का जुर्माना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में यातायात शाखा पुलिस ने ड्रिंक एंड ड्राइव के तीन मामलों में कार्रवाई करते हुए स्कॉर्पियो चालक समेत तीन वाहन चालकों को कुल 30,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित कराया। यह कार्रवाई डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा श्री राजेश कुमार अग्रवाल के निर्देशन में की गई। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने एक स्कॉर्पियो वाहन (क्रमांक JH/07/8666) को रोककर चालक दिलीप कुजूर (निवासी कटई, थाना लखनपुर) की जांच की, जिसमें वह शराब के नशे में वाहन चलाते पाया गया। ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट में इसकी पुष्टि हुई। इसी प्रकार,पुलिस ने मोटरसाइकिल क्रमांक CG/16/CV/5276 के चालक सूरज कुमार देवांगन (निवासी रघुनाथपुर, थाना लुंड्रा) तथा मोटरसाइकिल क्रमांक CG/15/EC/4593 के चालक भैया सतीश कुमार (निवासी जोड़ापीपल, अंबिकापुर) को भी जांच के दौरान शराब के नशे में वाहन चलाते पाया। तीनों मामलों में वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। माननीय न्यायालय ने सभी तीनों आरोपियों पर 10,000 रुपये प्रति व्यक्ति के हिसाब से कुल 30,000 रुपये का अर्थदंड लगाया। यातायात पुलिस ने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस पूरी कार्रवाई में यातायात शाखा प्रभारी उपनिरीक्षक विजय कैवर्त, उपनिरीक्षक अभय तिवारी, सहायक उपनिरीक्षक सी.पी. सिंह,सिदयुस लकड़ा,चंद्रप्रकाश केरकेट्टा,प्रधान आरक्षक विमल सिंह,इंद्रदेव तिर्की,आरक्षक संजय तिग्गा,दिनेश आयाम,पवन कनौजिया एवं सुनील कनौजिया की सक्रिय भूमिका रही।

राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवसः सूरजपुर में शहीदों को श्रद्धांजलि,जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ,श्रद्धांजलि के साथ सुरक्षा जागरूकता का संदेश...

-संवाददाता-
सूरजपुर,14 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
सूरजपुर में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस के अवसर पर जिला अग्निशमन विभाग द्वारा एक गरिमापूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, इस अवसर पर शहीद अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा कलेक्टर एस. जयवर्धन द्वारा हरी झंडी दिखाकर 14 से 20 अप्रैल तक चलने वाले अग्नि सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ किया गया,कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक करना और शहीदों के बलिदान को स्मरण करना रहा।

श्रद्धांजलि कार्यक्रमः मौन रखकर किया गया नमन- कार्यक्रम की शुरुआत शहीद अग्निशमन कर्मियों की स्मृति में 2 मिनट का मौन धारण कर की गई, इस दौरान कलेक्टर एस. जयवर्धन, जिला अग्निशमन अधिकारी संजय गुप्ता, उप निरीक्षक राकेश पांडे,अग्निशमन व नगर सेना के अधिकारी एवं कर्मचारी सभी ने उपस्थित रहकर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमिः 1944 की घटना का स्मरण - राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस 14 अप्रैल को मनाया जाता है, जो 1944 में मुंबई के विक्टोरिया डॉक में हुई एक भीषण अग्निकांड की घटना से जुड़ा है, उस समय मालवाहक जहाज एस.एस. पोर्ट बॉम्बे में आग लग गई थी, जिसमें विस्फोटक सामग्री और युद्ध उपकरण मौजूद थे,आग बुझाने के दौरान 66 अग्निशमन कर्मी शहीद हो गए इन्हीं वीरों की स्मृति में प्रतिवर्ष यह दिवस मनाया जाता है।

हरी झंडी दिखाकर किया जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ- श्रद्धांजलि के पश्चात कलेक्टर एस. जयवर्धन ने हरी झंडी दिखाकर अग्नि सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का औपचारिक शुभारंभ किया, यह सप्ताह 14 से 20 अप्रैल तक मनाया जाएगा, जिसके अंतर्गत जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

जागरूकता रैलीः कलेक्ट्रेट से कोतवाली चौक तक- कार्यक्रम के तहत अग्निशमन विभाग द्वारा एक जागरूकता रैली निकाली गई, रैली कलेक्ट्रेट परिसर से प्रारंभ हुई, कोतवाली चौक तक पहुंची, इसमें बाइक और अग्निशमन वाहनों की भागीदारी रही, रैली के दौरान नागरिकों को पंपलेट वितरित कर आग से बचाव और सुरक्षा उपायों की जानकारी दी गई।

विभागों की सहभागिताः संयुक्त प्रयास से आयोजन सफल - इस आयोजन में विभिन्न विभागों की भागीदारी देखने को मिली, अग्निशमन विभाग नगर सेना, यातायात पुलिस स्वास्थ्य विभाग की एम्बुलेंस टीम सभी ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाया और जनजागरूकता का संदेश दिया।

सप्ताह भर चलेंगे जागरूकता कार्यक्रम - जिला अग्निशमन अधिकारी संजय गुप्ता ने बताया कि अग्नि सुरक्षा सप्ताह के दौरान जिले के विभिन्न विकासखंडों में जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे, इसमें नागरिकों को आग से बचाव के उपाय बताए जाएंगे, आपात स्थिति में प्रतिक्रिया देने की जानकारी दी जाएगी सुरक्षा के व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिए जाएंगे।

सुरक्षा के प्रति जागरूकता ही बचाव का सबसे बड़ा उपाय- सूरजपुर में आयोजित यह कार्यक्रम शहीदों के प्रति सम्मान और नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास रहा,यह आयोजन यह संदेश देता है कि अग्नि सुरक्षा के प्रति सजग रहना और सही जानकारी रखना ही दुर्घटनाओं से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है।

प्राचीन तालाब के अवैध समतलीकरण पर निगम सख्त

ठेकेदार को नोटिस,7 दिन में जवाब तलब,काम तत्काल रोका गया

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,14 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
शहर के रिंग रोड स्थित प्राचीन तालाब के अवैध समतलीकरण मामले में नगर निगम ने सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी किया है। निगम ने तत्काल कार्य रोकने के निर्देश दिए हैं और 7 दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। जानकारी के अनुसार, करीब चार दिन पहले इस अवैध समतलीकरण का मामला सामने आया था। कांग्रेस पार्षद शुभम जायसवाल ने इसे उजागर करते हुए बताया कि रात के समय हाइवा और जेसीबी की मदद से गुपचुप तरीके से मलबा डालकर तालाब को समतल किया जा रहा था। बताया जा रहा है कि रियासतकालीन इस तालाब पर लंबे समय से भू-माफिया द्वारा धीरे-धीरे मलबा डालकर अतिक्रमण किया जा रहा था, लेकिन हाल के दिनों में यह गतिविधि तेज हो गई थी। मामले की जानकारी मिलने पर पार्षद ने कलेक्टर, तहसीलदार और निगम आयुक्त को अवगत कराते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की थी।

आवेदन निरस्त होने के बाद भी जारी था काम

निगम द्वारा जारी नोटिस से स्पष्ट हुआ है कि समतलीकरण के लिए ठेकेदार का आवेदन पहले ही निरस्त किया जा चुका था। इसके बावजूद ठेकेदार द्वारा अवैध रूप से कार्य जारी रखा गया। नोटिस जारी होने के बाद पार्षद शुभम जायसवाल ने संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

तहसीलदार ने भी लगाई रोक, 20 अप्रैल को पेश होने के निर्देश

मामले में तहसीलदार ने भी 13 अप्रैल को स्थल निरीक्षण कर समतलीकरण कार्य पर रोक लगा दी है। निरीक्षण के दौरान क्षेत्र जलयुक्त पाया गया, जिसके आधार पर कार्य बंद कराने के आदेश दिए गए। तहसीलदार ने संबंधित पक्ष को 20 अप्रैल को उपस्थित होकर पक्ष रखने के निर्देश भी जारी किए हैं।

राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि,जागरूकता हेतु निकाली गई रैली

-संवाददाता-
बलरामपुर,14 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस के अवसर पर कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा द्वारा अग्नि सुरक्षा बचाव कार्य के दौरान शहीद हुए अग्निशमन अधिकारी एवं कर्मचारियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन धारण किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री कटारा ने जिलेवासियों से अग्नि सुरक्षा उपायों के प्रति सजग एवं जागरूक रहने की अपील की। उन्होंने जवानों से अग्नि दुर्घटनाओं से होने वाली क्षति को रोकने तथा समय रहते बचाव के उपायों की जानकारी आमजनो तक पहुंचाने की बात कही। कलेक्टर ने उपस्थित अधिकारियों एवं अग्निशमन कर्मियों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे जिले के सभी स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों, जनसभाओं, हाट-बाजारों तथा आवासीय एवं व्यावसायिक क्षेत्रों में जाकर अग्नि सुरक्षा के उपायों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें, ताकि अधिक से अधिक लोग जागरूक हो सकें। कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्टर श्री कटारा ने पुराना बस स्टैंड (कलेक्टर बंगला के समीप) से अग्नि सुरक्षा जागरूकता एवं यातायात नियमों के पालन हेतु बाइक रैली को हरी झंडी दिखाई। रैली पुराना बस स्टैंड से प्रारंभ होकर संयुक्त कलेक्ट्रेट कार्यालय तक शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए संपन्न हुई। रैली में अग्निशमन विभाग,पुलिस बल एवं नगर सैनिकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

मंत्री नेताम ने डिंडो में 1154.45 लाख रुपये के विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमिपूजन एवं शिलान्यास

-संवाददाता-
बलरामपुर,14 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
जिले के ग्राम पंचायत डिंडो में बुनियादी अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण के लिए मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कुल 1154.45 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया।

क्षेत्र में आवागमन को सुगम बनाने के उद्देश्य से तीन सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। जिसमें तालकेश्वरपुर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना मार्ग से कुल्लूडीह होते हुए गोंड पारा सलवाही तक 5.40 किलोमीटर, गुदाह मार्ग से ग्राम पंचायत भवन पीपर पान बस्ती तक 4.13 किलोमीटर तथा कमिश्नर नगर से मुख्य मार्ग सोमारू घर तक 1.53 किलोमीटर सड़क का निर्माण कार्य शामिल है। इन मार्गों के पूर्ण होने से ग्रामीण क्षेत्रों का मुख्य मार्गों से सीधा एवं सुगम संपर्क स्थापित हो सकेगा। साथ ही छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड के तत्वावधान में ग्राम पंचायत डिंडो में गोंड समाज के लिए सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक भवन के निर्माण, धान उपार्जन केंद्र में चबूतरा निर्माण तथा युवाओं के शारीरिक संवर्धन एवं खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने हेतु खेल मैदान के निर्माण कार्य का भी भूमिपूजन किया गया।

बाबा साहेब की जयंती पर विजयनगर को मिली विकास की सौगात....

मंत्री नेताम ने किया 25 लाख रुपये के निर्माण कार्यों का शिलान्यास

-संवाददाता-
बलरामपुर,14 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)।
जिले के विकासखंड रामचंद्रपुर के ग्राम पंचायत विजयनगर में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री श्री रामविचार नेताम ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने ग्रामवासियों को विकास की महत्वपूर्ण सौगात देते हुए 25 लाख रुपये की लागत से बनने वाली डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा स्थापना एवं सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। मंत्री श्री नेताम ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की तथा उपस्थित जनप्रतिनिधियों के साथ केक काटकर जयंती की खुशियां साझा कीं। जनसमूह को संबोधित करते हुए मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने अपना संपूर्ण जीवन शोषितों,वंचितों और पिछड़े वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। हमारा देश सामाजिक, जातीय और धार्मिक विविधताओं से परिपूर्ण है, लेकिन बाबा साहेब द्वारा निर्मित सशक्त संविधान आज भी देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए हुए है। संविधान की सर्वोच्चता का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इसी के तहत देश के प्रत्येक नागरिक को समानता और न्याय का अधिकार सुनिश्चित किया गया है। शासन की लोककल्याणकारी नीतियों की विस्तार से जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि एक समय था जब ग्रामीण अंचलों में सड़क, बिजली और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव रहता था। किंतु वर्तमान में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नीतियों एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ समाज के हर वर्ग को मिल रहा है और शासन के सतत प्रयासों से विकास की रोशनी समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाई जा रही है। क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के प्रति शासन की प्रतिबद्धता जताते हुए मंत्री श्री नेताम ने आगे कहा कि किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए क्षेत्र में दुग्ध संग्रहण केंद्र स्थापित करने की व्यापक कार्ययोजना बनाई जा रही है। इससे किसानों को उनके दुग्ध उत्पादन का उचित मूल्य मिल सकेगा और विविध खेती की ओर भी अग्रसर होंगे। साथ ही, उन्होंने क्षेत्र में उद्यानिकी महाविद्यालय की स्थापना तथा बलरामपुर जिला मुख्यालय में पोस्ट मैट्रिक बालिका छात्रावास की आगामी कार्य योजना के बारे में भी जानकारी दी, जिससे उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित होंगे। मंत्री श्री रामविचार नेताम ने अपनी सादगी का परिचय देते हुए उपस्थित जनसमुदाय और विभिन्न वर्गों के लोगों के साथ जमीन पर बैठकर सामाजिक समरसता भोज ग्रहण किया। मंत्री श्री नेताम की इस आत्मीय पहल ने समाज में ऊंच-नीच और भेदभाव की दूरियों को मिटाते हुए समानता, आपसी भाईचारे और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री बद्री नाथ, अनुविभागीय अधिकारी श्री आनंद राम नेताम, जनपद सीईओ श्री रणवीर साय, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिक सेवा श्री सच्चिदानंद कांत,स्थानीय जनप्रतिनिधिगण,वरिष्ठ नागरिक, समाज प्रमुख और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

नारी शक्ति की गूंज से गूंजा सूरजपुर

हजारों महिलाओं ने दिखाया एकता का दम

भव्य स्कूटी रैलीः शहर में दिखा उत्सव जैसा माहौल

नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम का सबसे आकर्षक और प्रभावशाली हिस्सा महिला स्कूटी रैली रही। महंगवा चौक से शुरू होकर शिवपार्क तक पहुंची इस रैली में हजारों महिलाओं ने भाग लिया,रैली के दौरान शहर की सड़कों पर लंबी कतारों में चलती स्कूटियां,हाथों में तख्तियां और नारों के साथ उत्साह,एकजुटता और आत्मविश्वास का प्रदर्शन,यह दृश्य न केवल प्रेरणादायक था,बल्कि यह दर्शाता था कि महिलाएं अब हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का संबोधन : ऐतिहासिक पहल पर जोर

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, उन्होंने कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को केवल प्रतिनिधित्व नहीं, बल्कि निर्णय प्रक्रिया में भागीदारी देगा इससे लोकतंत्र और अधिक मजबूत होगा महिलाओं की भूमिका राष्ट्र निर्माण में और प्रभावी बनेगी।

महिलाओं की बदलती भूमिका : परिवार से राष्ट्र तक

मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज की नारी केवल घर तक सीमित नहीं है,बल्कि समाज,प्रशासन और शासन की मजबूत आधारशिला बन चुकी है उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को शिक्षा के क्षेत्र में अवसर मिले स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हुआ,आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिला,नेतृत्व के अवसर बढ़े इससे महिलाओं की भागीदारी पंचायत से लेकर संसद तक लगातार बढ़ रही है।

अधिकारों के प्रति जागरूकता और आत्मविश्वास

कार्यक्रम में यह संदेश भी स्पष्ट रूप से सामने आया कि महिलाएं अब अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो चुकी हैं,मंत्री ने कहा कि महिलाएं हमेशा से सशक्त रही हैं,लेकिन उन्हें उनके अधिकारों से वंचित रखा गया, अब महिलाएं अपने अधिकारों के लिए आगे आ रही हैं और समाज में अपनी मजबूत पहचान बना रही हैं।

अन्य वक्ताओं के विचारः समावेशी विकास की दिशा

कार्यक्रम में किशोर न्याय बोर्ड की महिला कर्मी और ब्रह्मकुमारी संस्था की प्रतिनिधि ने भी अपने विचार साझा किए, उन्होंने कहा कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से शासन अधिक संवेदनशील और प्रभावी बनेगा इससे सामाजिक न्याय और विकास को नई दिशा मिलेगी।

जनप्रतिनिधियों और विभागों की व्यापक भागीदारी

इस आयोजन में विभिन्न जनप्रतिनिधियों और विभागों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली,कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख व्यक्तित्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि पैकरा,जिला पंचायत उपाध्यक्ष रेखालाल राजवाड़े,जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती स्वाति सिंह,नगर पालिका उपाध्यक्ष,स्वास्थ्य विभाग,पुलिस विभाग,एनआरएलएम से जुड़ी महिलाएं,इसके अलावा विभिन्न सामाजिक संगठनों की महिलाओं ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया।

स्कूटी रैली से सशक्तिकरण का संदेश,सूरजपुर में नारी शक्ति का ऐतिहासिक प्रदर्शन

नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम में उमड़ा जनसैलाब,महिलाओं ने लिखी नई कहानी

सशक्त नारी,सशक्त भारत का नारा बुलंद,सूरजपुर बना महिला शक्ति का केंद्र

अंबेडकर जयंती पर नारी शक्ति का महासंगम, हजारों महिलाओं ने दिखाई ताकत

रैली में दिखा आत्मविश्वास,मंच से मिला अधिकारों का संदेश

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में सूरजपुर की सड़कों पर उतरी महिलाएं

-संवाददाता-
सूरजपुर,14 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले में 14 अप्रैल 2026 को आयोजित नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक छाप छोड़ी, नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में हजारों महिलाओं की सहभागिता ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब नारी केवल सामाजिक संरचना का हिस्सा नहीं, बल्कि परिवर्तन की अग्रणी शक्ति बन चुकी है।

कार्यक्रम की शुरुआत महंगवा चौक से हुई, जहां से राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी रजवाड़े के नेतृत्व में एक विशाल महिला स्कूटी रैली निकाली गई, जो शिवपार्क तक पहुंची,इस रैली में विभिन्न वर्गों, संगठनों और विभागों से जुड़ी महिलाओं ने भाग लेकर पूरे शहर को उत्साह, ऊर्जा और एकजुटता के रंग में रंग दिया,यह आयोजन केवल एक रैली या समारोह नहीं था,बल्कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी, आत्मविश्वास और अधिकारों के प्रति जागरूकता का जीवंत प्रदर्शन था, कार्यक्रम के दौरान सशक्त नारी, सशक्त भारत का संदेश हर कोने तक पहुंचा, मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े ने अपने संबोधन में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को भारत के लोकतांत्रिक इतिहास की ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि यह अधिनियम महिलाओं को निर्णय प्रक्रिया में समान भागीदारी प्रदान करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि आज की नारी हर क्षेत्र में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही है और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, इस कार्यक्रम ने न केवल महिलाओं के सम्मान और अधिकारों को रेखांकित किया,बल्कि यह भी साबित किया कि जब नारी शक्ति एकजुट होती है,तो वह समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की क्षमता रखती है।

बदलाव की दिशा में मजबूत कदम

सूरजपुर में आयोजित यह नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम केवल एक आयोजन नहीं,बल्कि सामाजिक परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ, हजारों महिलाओं की भागीदारी ने यह दिखाया कि महिलाएं अब जागरूक हैं संगठित हैं और अपने अधिकारों के लिए आगे बढ़ रही हैं यह कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि जब नारी शक्ति एकजुट होती है, तो वह समाज और राष्ट्र को नई दिशा देने की क्षमता रखती है, सूरजपुर का यह आयोजन आने वाले समय में महिला सशक्तिकरण के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण के रूप में याद किया जाएगा।

सामाजिक संदेशः सशक्त नारी, सशक्त भारत

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के सशक्तिकरण को बढ़ावा देना था, इस आयोजन के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि महिलाओं की भागीदारी के बिना विकास अधूरा है, समाज में समानता और सम्मान आवश्यक है, नारी शक्ति ही राष्ट्र की वास्तविक ताकत है।

अग्निवीर भर्ती हेतु दिया जाएगा निःशुल्क कोचिंग

रोजगार कार्यालय के दिए गए वेबसाईट में कर सकते है ऑनलाइन आवेदन

-संवाददाता-
जशपुरनगर,14 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।

रोजगार अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती हेतु 13 फरवरी 2026 से 01 अप्रैल 2026 तक वेबसाइट **www.joinindianarmy.nic.in** पर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया है। सेना भर्ती कार्यालय रायपुर द्वारा दिनांक 01 जून 2026 से 15 जून 2026 तक पंजीकृत अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन परीक्षा आयोजित किया जाना संभावित है। भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती हेतु पंजीकृत अभ्यर्थियों को छ0ग0 रोजगार विभाग द्वारा निःशुल्क कोचिंग प्रदान किया जायेगा। अतः जो आवेदक लिखित परीक्षा हेतु निःशुल्क ऑनलाइन कोचिंग प्राप्त करना चाहते है वे भारतीय थल सेना में अग्निवीर भर्ती हेतु पंजीयन पश्चात रोजगार विभाग के वेबसाईट www.erojgar.cg.gov.in पर अग्निवीर भर्ती 2028 की लिखित परीक्षा की तैयारी हेतु निःशुल्क प्रशिक्षण कि ऑनलाईन आवेदन आवेदन पर ब्सपबा कर अपनी व्यक्तिगत जानकारी सहित आवेदन छ0ग0 रोजगार विभाग को प्रेषित कर सकते है। आवेदक को लिखित परीक्षा हेतु प्रशिक्षण के लिए ऑनलाईन आवेदन करने के पूर्व प्रोजगार कार्यालय में पंजीयन करवाना अनिवार्य होगा।

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अजय सिंह आ0 सुरेश्वर सिंह जाति, निवासी निवासी दुर्गापुरी कॉलोनी नीलमथा कैंट एरिया, लखनऊ उत्तरप्रदेश, वर्तमान पता - सदर रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला -अग्रसेन वार्ड, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2837 रकबा 0.29 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो रहे लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 22-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 07/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अजय सिंह आ0 सुरेश्वर सिंह जाति निवासी निवासी दुर्गापुरी कॉलोनी नीलमथा कैंट एरिया, लखनऊ उत्तरप्रदेश, वर्तमान पता - सदर रोड़ अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला -अग्रसेन वार्ड, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2832/3 रकबा 0.14 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो रहे लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 22-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक- 07/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्यामलाल गुप्ता, रामलाल गुप्ता आ0 स्व0 श्री शंकर प्रसाद गुप्ता एवं 01 अन्य जाति, निवासी शीतला वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला - सत्तीपारा, शीट नम्बर - 2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 593/2 रकबा $0.03^{1/2}$ एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 27-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांकः- 10/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा0प्र0क्र0 /20(1)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्यामलाल गुप्ता, रामलाल गुप्ता आ0 स्व0 श्री शंकर प्रसाद गुप्ता जाति निवासी शीतला वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला-सत्तीपारा, शीट नम्बर-9 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3389/9 रकबा $0.03^{1/2}$ एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 27-04-2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांकः- 10/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला- सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क्र0- /ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मनोज अग्रवाल आ0 शिवनारायण अग्रवाल निवासी ग्राम बेलखरिखा तहसील लखनुपर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 4388 / 14 रकबा 0.016 हे0 भूमि को अनावेदक अंशु केशरी पत्नी राजेश केशरी निवासी शिकारी रोड अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास बिक्री करने का सौदा तय कर बिक्री अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुंजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एवं प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 22.04.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांकः- 02/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) तहसीलदार अम्बिकापुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला- सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क्र0- /अ-6/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक आशा पाण्डेय बेवा राजीव कुमार पाण्डेय निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम नमनाकला स्थित भूमि खसरा नंबर 243/70 रकबा 0.045 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो से मृतक खातेदार राजीव कुमार पाण्डेय का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 27.04.2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांकः- 07/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

(सील) तहसीलदार अम्बिकापुर (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दरिमा जिला- सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क्र0- /ब-121/2025-26

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है - आवेदक संतोष दास पिता दरोगा दास निवासी ग्राम कंठी के द्वारा द्वारा जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969 के धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म/मृत्यु रजि0 नियम 2001 के नियम 09 (3) के अन्तर्गत अपने फुआ इन्द्र कुंवर पिता सुन्दर का मृत्यु दिनांक 20/04/2001 को ग्राम कंठी में होना बतलाते हुये उनके मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय बावत आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से जारी दिनांक से 15 दिवस के भीतर इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 10/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(सील) नायब तहसीलदार दरिमा सरगुजा,(छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दरिमा जिला- सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क्र0- /ब-121/2025-26

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है - आवेदक संतोष दास पिता दरोगा दास निवासी ग्राम कंठी के द्वारा द्वारा जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969 के धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म/मृत्यु रजि0 नियम 2001 के नियम 09 (3) के अन्तर्गत अपने माता स्व0 चन्दरमनिया पिता स्व0 सेतू का मृत्यु दिनांक 12/02/2006 को ग्राम कंठी में होना बतलाते हुये उनके मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय बावत आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से जारी दिनांक से 15 दिवस के भीतर इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 10/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(सील) नायब तहसीलदार दरिमा सरगुजा,(छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दरिमा जिला- सरगुजा (छ.ग.)

रा0प्र0क्र0- /ब-121/2025-26

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है - आवेदक संतोष दास पिता दरोगा दास निवासी ग्राम कंठी के द्वारा द्वारा जन्म/मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969 के धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म/मृत्यु रजि0 नियम 2001 के नियम 09 (3) के अन्तर्गत अपने फुआ स्व0 फुलबसिया पिता स्व0 सुन्दर का मृत्यु दिनांक 19/08/2016 को ग्राम कंठी में होना बतलाते हुये उनके मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय बावत आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से जारी दिनांक से 15 दिवस के भीतर इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 10/04/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(सील) नायब तहसीलदार दरिमा सरगुजा,(छ.ग.)

9 माह से अटकी प्रोत्साहन राशि,6 माह का सुपोषण भुगतान भी लंबित

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का फूटा गुस्सा

काम पूरा..भुगतान अधूरा...मैदानी तंत्र में बढ़ता असंतोष

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,14 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।
मनेंद्रगढ़ महिला एवं बाल विकास परियोजना में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने लंबे समय से लंबित भुगतान को लेकर खुलकर नाराजगी जताई है, पोषण ट्रैकर ऐप से जुड़े कार्यों के बदले मिलने वाली प्रोत्साहन राशि पिछले 9 महीनों से लंबित है, जबकि सुपोषण चौपाल के 6 माह के भुगतान भी अब तक नहीं किए गए हैं,नियमित रूप से कार्य करने के बावजूद भुगतान नहीं मिलने से कार्यकर्ताओं के सामने आर्थिक संकट गहराता जा रहा है,कार्यकर्ताओं ने परियोजना अधिकारी को लिखित आवेदन सौंपते हुए स्पष्ट कहा है कि यदि जल्द भुगतान नहीं हुआ तो इसका सीधा असर जमीनी स्तर पर चल रही सरकारी योजनाओं पर पड़ सकता है। **आवेदन के साथ उठाई गई मांग,बिना भुगतान कैसे चलेगा काम?-** आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने 26 मई 2025 को महिला एवं बाल विकास विभाग, मनेंद्रगढ़ के परियोजना अधिकारी को आवेदन सौंपा, आवेदन में उन्होंने उल्लेख किया कि जून 2024 से फरवरी 2025 तक की लगातार 9 माह की इंसेंटिव राशि अब तक प्राप्त नहीं हुई है, कार्यकर्ताओं का कहना है कि वे नियमित रूप से पोषण ट्रैकर ऐप में डेटा अपडेट कर रहे हैं, विभागीय निर्देशों का पालन कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद भुगतान नहीं मिल रहा है इस स्थिति को लेकर कार्यकर्ताओं ने सवाल उठाया जब काम पूरा है,तो भुगतान क्यों नहीं?

जमीनी स्तर पर बढ़ती नाराजगी

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का यह विरोध संकेत देता है कि जमीनी स्तर पर काम करने वाले कर्मचारियों की समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं, यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो योजनाओं के क्रियान्वयन पर असर पड़ेगा और सिस्टम पर भरोसा कमजोर होगा।

अब नजर प्रशासन पर...

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या विभाग इस मामले पर त्वरित संज्ञान लेगा? या फिर यह मुद्दा भी अन्य फाइलों की तरह लंबित रह जाएगा, फिलहाल, कार्यकर्ताओं की मांग साफ है काम का पूरा भुगतान, वह भी समय पर।

जिम्मेदारी किसकी? उठ रहे बड़े सवाल

- 9 माह की प्रोत्साहन राशि आखिर क्यों अटकी है?
- सुपोषण चौपाल की राशि किस स्तर पर रुकी है?
- क्या बजट की कमी है या प्रशासनिक लापरवाही?
- बिना भुगतान के कर्मचारियों से काम लेना क्या उचित है?

सुपोषण चौपाल का भुगतान भी अटका

आवेदन में यह भी बताया गया है कि केवल पोषण ट्रैकर ऐप की राशि ही नहीं,बल्कि सुपोषण चौपाल कार्यक्रम की 6 माह की राशि भी लंबित है, सुपोषण चौपाल, जो कि कुपोषण से निपटने और जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है,उसमें सक्रिय भूमिका निभाने के बावजूद कार्यकर्ताओं को उसका भुगतान नहीं मिला है,यह स्थिति दर्शाती है कि विभागीय योजनाएं जमीन पर चल रही हैं लेकिन भुगतान प्रक्रिया में गंभीर देरी हो रही है।

आर्थिक संकट में कार्यकर्ता,बढ़ी चिंता

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बताया कि उन्हें पहले से ही सीमित मानदेय मिलता है,महंगाई के इस दौर में परिवार चलाना मुश्किल हो रहा है,ऐसे में महीनों तक भुगतान न होना उनके लिए आर्थिक और मानसिक दोनों स्तर पर परेशानी का कारण बन गया है,कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि यही स्थिति बनी रही,तो काम प्रभावित होना स्वाभाविक है।

पोषण ट्रैकर ऐपःसबसे अहम काम,लेकिन भुगतान नहीं

पोषण ट्रैकर ऐप के माध्यम से बच्चों की पोषण स्थिति,गर्भवती महिलाओं का डेटा,कुपोषण से जुड़े आंकड़े नियमित रूप से अपडेट किए जाते हैं, यह ऐप विभाग की प्रमुख योजनाओं में से एक है,लेकिन इसी से जुड़े कार्यकर्ताओं को समय पर भुगतान नहीं मिलना नीतिगत और प्रशासनिक दोनों स्तर पर सवाल खड़े करता है।

कार्यकर्ताओं की चेतावनी : योजनाओं पर पड़ सकता है असर

कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट किया है कि यदि जल्द भुगतान नहीं हुआ,तो फील्ड लेवल पर काम प्रभावित हो सकता है, पोषण अभियान की निगरानी कमजोर पड़ सकती है,यह चेतावनी केवल विरोध नहीं,बल्कि जमीनी हकीकत की ओर इशारा है।

परियोजना अधिकारी से संपर्क नहीं हो पाया...

इस संबंध में जब महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी मनेंद्रगढ़ शशि जायसवाल से संपर्क करने का प्रयास किया गया,तो उनके मोबाइल नंबर पर कॉल रिसीव नहीं किया गया,इससे यह मामला और गंभीर हो जाता है,क्योंकि शिकायत दर्ज होने के बाद भी अधिकारियों की ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

अंबेडकर जयंती पर मनेंद्रगढ़ में रिकॉर्ड रक्तदान शिविरः 50 से अधिक लोगों ने किया रक्तदान

सेवा,समर्पण और सामाजिक जिम्मेदारी का उदाहरण

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़,14 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।
मनेंद्रगढ़ में अंबेडकर जयंती के अवसर पर आयोजित रक्तदान शिविर ने सामाजिक सहभागिता और जनसेवा की नई मिसाल पेश की,ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़ शहर के नेतृत्व में 14 अप्रैल को 220 बिस्तरीय सिविल अस्पताल में आयोजित इस शिविर में 50 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया, आयोजकों के अनुसार यह अब तक का सबसे बड़ा रक्तदान शिविर रहा,जिसमें जनप्रतिनिधियों, युवाओं और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली,प्रत्येक रक्तदाता को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया,जिससे लोगों में सेवा भाव और जागरूकता को बढ़ावा मिला।

भव्य आयोजन : अंबेडकर जयंती पर विशेष पहल

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित इस रक्तदान शिविर का उद्देश्य समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत करना था, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़ शहर द्वारा आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर यह संदेश दिया कि रक्तदान केवल दान नहीं,बल्कि जीवन बचाने का माध्यम है।

जनप्रतिनिधियों ने किया नेतृत्व,खुद बनें उदाहरण

इस आयोजन में कई जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने स्वयं रक्तदान कर लोगों को प्रेरित किया,पूर्व विधायक गुलाब कमरों ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है और यह सीधे किसी की जान बचाने का माध्यम है,जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि हर स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रक्तदान करना चाहिए,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सौरव मिश्रा ने रक्तदान करते हुए इसे मानवता की सेवा का प्रतीक बताया और इसे जन-आंदोलन बनाने की बात कही।

युवाओं की भागीदारी बनी खास आकर्षण

रक्तदान शिविर में युवाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष कासिम अंसारी ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि रक्तदान समाज के प्रति हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है, व्यंकटेश सिंह और अन्य युवाओं ने भी रक्तदान कर समाज सेवा में योगदान दिया।

चिकित्सकों ने बताया जरूरी : नियमित रक्तदान की जरूरत

डॉ. अंशुल सिंह ने कहा कि हर युवा को नियमित रूप से रक्तदान के लिए प्रेरित होना चाहिए,पैथोलॉजिस्ट स्नेहा सिंह ने भी इस आयोजन को सराहनीय बताते हुए कहा कि ऐसे शिविर समय-समय पर होते रहना चाहिए, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त मिल सके।

सामाजिक सहभागिता : हर वर्ग की भागीदारी

इस शिविर में पत्रकार,पुलिस विभाग के कर्मचारी और आम नागरिकों ने भी भाग लिया,पत्रकार निजाम, पुलिस विभाग से मनोज सिंह और रवि साहू सहित कई लोगों ने रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई।

उपस्थिति- जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी

इस अवसर पर विधायक प्रत्याशी रमेश सिंह,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रभा पटेल,ब्लॉक अध्यक्ष (ग्रामीण) रामनरेश पटेल,जिला महामंत्री रफीक मेमन,जिला सचिव विक्की दत्ता,पूनम सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लगभग 50 रक्तदाताओं ने दिया योगदान

इस शिविर में गुलाब कमरों, अशोक श्रीवास्तव, सौरव मिश्रा, राजेश साहू, कृष्ण मुरारी तिवारी, दीपक श्रीवास्तव, व्यंकटेश सिंह, इमरान खान, स्नेहिल शुक्ला, कासिम अंसारी, राजा पांडेय, नंद किशोर, संतोष अग्रवाल, हरीश कोरी, कृष्णा, मनोज कुमार, साहिम खान, रवि शंकर, अंशुल सिंह, जय प्रकाश वर्मा, आशुतोष ओझा, दिशांत कुर्रे, नीरू सिंह, सतेंद्र, अजय ओझा, सैफ, रोशन खान, सलमान, आगमन मांझी, अजीत सिंह, गणेश कुमार चौधरी, हर्ष खटीक, निजाम, पृथ्वी राज, विवेक पांडेय, इरशाद सहित करीब 50 लोगों ने रक्तदान किया।

जनभागीदारी से सफल हुआ अभियान

अंत में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़ शहर के पदाधिकारियों ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के जनहितकारी अभियान समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का काम करते हैं, यह आयोजन न केवल रक्तदान के महत्व को रेखांकित करता है,बल्कि यह भी साबित करता है कि जब समाज एकजुट होता है, तो सेवा का हर प्रयास सफल होता है।

नंबर प्लेट छुपाकर दौड़ रहीं बसें

मनेंद्रगढ़ में परिवहन नियमों की खुली अनदेखी,विभाग की भूमिका पर सवाल

नियम कागजों में सख्त...सड़कों पर लापरवाही

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़,14 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।
मनेंद्रगढ़ शहर क्षेत्र में परिवहन नियमों की खुलेआम अनदेखी का मामला सामने आया है,जहां कई निजी बसें नंबर प्लेट छुपाकर सड़कों पर संचालित हो रही हैं। यह स्थिति न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन है,बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा बनती जा रही है। हैरानी की बात यह है कि यह सब कुछ संबंधित विभाग की जानकारी में होने के बावजूद अब तक ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई,तो यह लापरवाही किसी बड़ी दुर्घटना या आपराधिक घटना का कारण बन सकती है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार,शहर में कई निजी बसें नंबर प्लेट के साथ छेड़छाड़ कर संचालित की जा रही हैं,बसों के आगे नंबर प्लेट पर कागज चिपकाया जा रहा है, कई बसों में नंबर आंशिक रूप से ढक दिए गए हैं, कुछ मामलों में कपड़ा या अन्य सामग्री लगाकर नंबर पूरी तरह छुपाया गया है उदाहरण के तौर पर, एक बस क्रमांक CG 16 CP 50.. को इस तरह संचालित होते देखा गया,जिसमें नंबर प्लेट स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रही थी। यह तरीका जानबूझकर पहचान छुपाने का संकेत देता है।

आगे-पीछे अलग-अलग नंबर प्लेट का मामला

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार,कुछ बसों में आगे और पीछे अलग-अलग नंबर प्लेट लगाए गए हैं,यह स्थिति और भी गंभीर है,क्योंकि इससे वाहन की वास्तविक पहचान संदिग्ध हो जाती है,जांच एजेंसियों के लिए सही जानकारी जुटाना मुश्किल हो जाता है यह स्पष्ट रूप से नियमों का उल्लंघन है और आपराधिक गतिविधियों की आशंका को भी बढ़ाता है।

दुर्घटना और अपराध की स्थिति में बढ़ता खतरा

नंबर प्लेट छुपाने का सबसे बड़ा जोखिम यह है कि दुर्घटना होने पर वाहन की पहचान नहीं हो पाती,हिट एंड रन जैसे मामलों में दोषी को पकड़ना कठिन हो जाता है,किसी भी आपराधिक घटना में वाहन की ट्रैकिंग लगभग असंभव हो जाती ह, इस तरह की लापरवाही सीधे तौर पर आम जनता की सुरक्षा से जुड़ी हुई है।

मोटरयान अधिनियम का सीधा उल्लंघन

मोटरयान अधिनियम के तहत हर वाहन में स्पष्ट, मानक और पढ़ने योग्य नंबर प्लेट होना अनिवार्य है,इसके बावजूद नंबर प्लेट को ढंकना,आंशिक रूप से छुपाना या गलत नंबर प्रदर्शित करना कानून का सीधा उल्लंघन है,इसके लिए कड़ी सजा और जुर्माने का प्रावधान भी है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका पालन होता नजर नहीं आ रहा।

परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल

इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल परिवहन विभाग की भूमिका पर उठ रहा है,क्या विभाग को इन गतिविधियों की जानकारी नहीं है? यदि जानकारी है, तो कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिना विभागीय लापरवाही या मिलीभगत के इस तरह की गतिविधियां संभव नहीं हैं।

स्थानीय लोगों में नाराजगी

शहर के नागरिकों में इस मामले को लेकर नाराजगी बढ़ती जा रही है,लोगों का कहना है कि नियमों का पालन आम लोगों से सख्ती से कराया जाता है लेकिन बड़े वाहन संचालकों के मामले में ढील बरती जा रही है यह स्थिति कानून के समान अनुपालन पर भी सवाल खड़ा करती है।

जांच और कार्रवाई की मांग...

क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ऐसे वाहनों के खिलाफ विशेष जांच अभियान चलाया जाए, सभी बसों की नंबर प्लेट की जांच की जाए, दोषी संचालकों पर सख्त कार्रवाई की जाए इसके साथ ही, संबंधित अधिकारियों की भूमिका की भी जांच हो ताकि भविष्य में इस तरह की अनियमितताओं पर रोक लगाई जा सके।

लापरवाही बनी खतरा

मनेंद्रगढ़ में सामने आया यह मामला स्पष्ट करता है कि नियमों की अनदेखी अब एक गंभीर समस्या बन चुकी है, यदि समय रहते इस पर सख्ती नहीं की गई,तो यह लापरवाही सड़क सुरक्षा कानून व्यवस्था दोनों के लिए बड़ा खतरा बन सकती है, अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले पर कब और किस तरह कार्रवाई करता है।

बीमा के वादे कागजी,विधवा के आंसू असली : बैंक की चौखट पर अटका क्लेम

-संवाददाता-
सोनहत,14 अप्रैल 2026
(घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र सोनहत के ग्राम रामगढ़ से एक ऐसा मामला सामने आया है,जहां प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत मिलने वाली राशि के लिए एक विधवा महिला महीनों से बैंक के चक्कर काटने को मजबूर है,यह मामला छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की कार्यप्रणाली और योजनाओं के क्रियान्वयन पर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

जानकारी के अनुसार,रामगढ़ निवासी प्रितपाल सिंह का खाता छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की शाखा में था। उन्होंने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत बीमा कराया हुआ था,जुलाई 2025 में

उनकी मृत्यु हो गई,जिसके बाद परिवार पूरी तरह से आर्थिक संकट में आ गया, मृतक की पत्नी राजकुमारी ने अगस्त 2025 में बीमा क्लेम के लिए सभी आवश्यक दस्तावेज बैंक में जमा कर दिए,उन्हें उम्मीद थी कि योजना के तहत मिलने वाली राशि से उनके परिवार को सहारा मिलेगा। लेकिन कई महीने बीत जाने के बाद भी उन्हें अब तक क्लेम राशि नहीं मिल पाई है,पीड़िता के अनुसार, वह लगातार बैंक के चक्कर लगा रही हैं, लेकिन हर बार उन्हें केवल आश्वासन ही दिया जा रहा है,उन्हें यह नहीं बताया जा रहा कि क्लेम में देरी क्यों हो रही है और राशि कब तक मिलेगी,इस मामले में यह भी सामने आया है कि जब बैंक द्वारा बीमा योजना के लिए कैम्प लगाए गए थे,तब ग्रामीणों को जागरूक कर उनसे प्रीमियम जमा कराया गया था,लेकिन अब जब क्लेम की बारी आई है, तो बैंक की ओर से कोई स्पष्ट पहल नजर नहीं आ रही है,पीड़ित परिवार ने इस मामले की जानकारी शाखा स्तर से लेकर क्षेत्रीय कार्यालय और लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर तक पहुंचाई, लेकिन अब तक किसी स्तर पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई है,यह स्थिति न केवल बैंक की लापरवाही को दर्शाती है,बल्कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी सवाल खड़े करती है,प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत बीमाधारक की मृत्यु होने पर नामांकित व्यक्ति को 2 लाख की राशि दी जाती है,ताकि कठिन समय में परिवार को आर्थिक सहायता मिल सके,लेकिन इस मामले में योजना का लाभ समय पर नहीं मिलने से परिवार को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, पीड़िता राजकुमारी ने बताया कि जब बीमा कराया गया था,तब बैंक के अधिकारी स्वयं गांव आए थे,लेकिन अब जब उन्हें सहायता की जरूरत है,तो कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिल रहा है,फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगस्त 2025 से लंबित यह क्लेम कब तक निपटाया जाएगा और क्या जिम्मेदार अधिकारियों पर कोई कार्रवाई होगी,या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा।

गोविंदा की मूवी से कॉपी,वरुण धवन की फिल्म का टीजर देख इंटरनेट का हुआ भेजा फ्राई

वरुण धवन,मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े स्टारर है जवानी तो इश्क होना है का टीजर रिलीज कर दिया गया है...

बॉर्डर 2 में अपनी देशभक्ति वाली भूमिका के बाद,एक्टर वरुण धवन अपनी नई फिल्म है जवानी तो इश्क होना है के साथ एक बार फिर रोमांटिक-कॉमेडी जॉनर में वापसी कर रहे हैं। यह वही जॉनर है जिसके लिए उन्हें सबसे ज्यादा जाना जाता है।

क्या है सैंडविच का रीमेक निकली फिल्म?

हालांकि टीजर रिलीज होते ही इंटरनेट पर इसे लेकर ट्रोलिंग शुरू हो गई है, क्योंकि टीजर की शुरुआथ एआई से बने बच्चों की बातचीत से शुरू होती है। अब लोग इसे लेकर ट्रोल कर रहे हैं और कह रहे हैं कि बस यही देखना बाकी रह गया था। इतना ही नहीं लोग इसे गोविंदा की फिल्म सैंडविच का रीमेक भी बता रहे हैं। मंगलवार को रिलीज हुए फिल्म के इस टीजर में एक डबल ट्रबल लव स्टोरी की झलक दिखाई गई है,जिसमें वरुण धवन के साथ पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर भी नजर आ रही हैं। इस प्रोजेक्ट के साथ धवन अपने पिता और डायरेक्टर डेविड धवन के साथ भी एक बार फिर काम कर रहे हैं।

इंटरटनेट पर हुई टीजर की ट्रोलिंग

एक ने लिखा, मैं एआई के विरुद्ध नहीं हूं लेकिन प्लीज थोड़ा अच्छा तो बनाओ,ये बहुत बुरा है। एक ने कमेंट किया,सॉरी, लेकिन ये बुरा है। एक ने लिखा, बीवी नंबर 1 का रीमेक था ना अब सैंडविच का रीमेक। एक ने लिखा,क्या ये सैंडविच का रीमेक है। दूसरी ओर कुछ यूजर्स ने उम्मीद भी जताई कि शायद फिल्म अच्छी निकले।

क्या है टीजर में?

टीजर की शुरुआत एआई -जेनरेटेड छोटे बच्चों से होती है, जो अपने माता-पिता के बारे में बात कर रहे हैं; इससे एक लव ट्रायंगल का संकेत मिलता है जिसमें दो हीरोइनें और एक हीरो शामिल हैं। इसके साथ ही,डेविड धवन की 1999 की फिल्म बीवी नंबर 1 के गाने इश्क सोना है का एक नया वर्जन भी सुनाई देता है,जो अब इस फिल्म का टाइटल और टाइटल ट्रैक बन गया है।

6 साल तक खौफ के साये में रहा अक्षय कुमार का बेटा,भूतनी के डर से हुआ था बुरा हाल...

अक्षय कुमार ने बताया...जब भी विद्या बालन घर आती थीं... तो वह आरव उनसे मिलने से मना कर देता था...और उनसे बात नहीं कर पाता था...

अक्षय कुमार अपनी अपकमिंग और मोस्ट अवेटेड फिल्म भूत बंगला में नजर आने वाले हैं, जो इस शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। दिल्ली में एक इवेंट में फिल्म का प्रमोशन करते हुए,अक्षय ने इस प्रोजेक्ट के बारे में बात की और बताया कि यह उनकी पिछली हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया से किस तरह अलग है।

भूल भुलैया का बेटे पर पड़ा था असर

एक बातचीत के दौरान, एक्टर ने भूल भुलैया से जुड़ा एक पर्सनल किस्सा शेयर किया। अक्षय ने बताया कि 2007 में फिल्म रिलीज होने के बाद उनके बेटे आरव पर इसका गहरा असर पड़ा था। एक्टर ने कहा कि आरव विद्या बालन के किरदार से इतना डर गया था कि फिल्म देखने के बाद करीब छह साल तक वह विद्या बालन से डरता रहा।
अक्षय ने कहा,मैं अपने बेटे से बात कर रहा था, और उसने मुझे बताया कि जब उसने पहली बार भूल भुलैया देखी, तो वह छह साल तक विद्या बालन से डरता रहा। जब भी वह घर आतीं, तो वह उनसे मिलने से मना कर देता, उनकी आंखों में नहीं देखता

था; उसे उनमें मंजुलिका नजर आती थी। उसे विद्या बालन से एक तरह की दिक्कत हो गई थी। मुझे असल में उसे समझाना पड़ा और बताना पड़ा कि वह मंजुलिका नहीं हैं, वह विद्या हैं,और वह एक अच्छी इंसान हैं। लेकिन उसे कभी यकीन नहीं हुआ। छह साल तक, वह उस डर से उबर नहीं पाया।

भूल भुलैया से कैसे अलग है भूत बंगला

भूत बंगला 2007 में रिलीज हुई भूल भुलैया से कैसे अलग है, इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा,भूत बंगला एक हॉरर फैंटेसी है; यह एक डिज्नी फिल्म की तरह है। भूल भुलैया एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर थी। जब वह शुरू होती है,तो आप देख सकते हैं कि उस पर किसी का साया है, और बाद में पता चलता है कि यह एक मानसिक समस्या है। भूत बंगला में, हमने समझाया है कि वधुसुर कैसे आया और वह जो कर रहा है, वह क्यों कर रहा है। यह फिल्म बच्चों के लिए भी है।

भूत बंगला के बारे में...

भूत बांग्ला 16 अप्रैल को स्क्रीन पर रिलीज होने के लिए तैयार है। अक्षय कुमार और प्रियदर्शन ने आखिरी बार 2010 में खट्टा मीठा में साथ काम किया था। फिल्म में तब्बू, परेश रावल, राजपाल यादव, वामिका गब्बी और दिवंगत अभिनेता असरानी सहित कई बड़े कलाकार शामिल हैं। केप ऑफ गुड फिल्म्स के सहयोग से,बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड के एक प्रभाग, बालाजी मोशन पिक्चर्स द्वारा प्रस्तुत, भूत बांग्ला का निर्माण अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर द्वारा किया गया है।

किशोर कुमार ने अपने बेटे संग मिलकर गाया था ये गीत

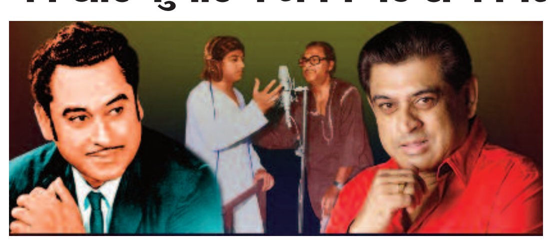

48 साल से कल्ट बना हुआ है पुराना गाना

48 साल पहले दिग्गज गायक किशोर कुमार ने अपने बेटे अमित कुमार संग मिलकर एक कल्ट गाना गाया था। सुरों के सरताज रहे किशोर कुमार ने अपने सिंगिंग करियर में कई शानदार गीत गाए। लेकिन सबसे अधिक चर्चा में उनका वह गाना रहा था, जिसके लिए उन्होंने अपने बेटे और गायक अमित कुमार संग मिलकर सुर छेड़े थे।48 साल पहले उस कल्ट गीत के लिए बाप और बेटी की जोड़ी एक साथ आई और दोनों ने अपनी-अपनी मधुर आवाज से श्रोताओं के दिलों को सुकून पहुंचाया था। वह कौन सा सॉन्ग था,जिसको किशोर दा और उनके बेटे ने गाया था।

किशोर कुमार और अमित कुमार का गाना

सिंगर किशोर कुमार ने अपने बेटे अमित कुमार का करियर बनाने में अहम भूमिका अदा की थी। उन्होंने अपने साथ मिलकर भी अमित को गाने का मौका दिया। ऐसा ही एक पल 1978 में आई फिल्म कसम वादे के लिए आया था, जब किशोर और अमित ने मूवी के पॉपुलर गीत आती रहेंगी बहारें...को एक संग मिलकर गाया था इन दोनों बाप बेटे की जोड़ी के अलावा सुरों की कोकिला आशा भोसले ने भी इस गीत को अपनी आवाज दी थी। फिल्म कसमें वादे का ये सॉन्ग अभिनेता अमिताभ बच्चन,रणधीर कपूर और अभिनेत्री राखी गुलजार पर फिल्माया गया था। जहां किशोर दा अमिताभ की,अमित रणधीर तो राखी की आवाज आशा ताई बनी थीं। इस तरह से आती रहेंगी बहारें बना। संगीतकार आर डी बर्मन ने फिल्म के इस गाने के संगीत को तैयार किया था,जबकि गुलशन बावरा की कलम से कसमें वादे के इस कल्ट क्लासिक गीत के लिरिक्स निकले थे। कुल मिलाकर कहा जाए तो किशोर कुमार,अमित कुमार और आशा भोसले का ये 48 साल पुराना गाना आज भी हिंदी सिनेमा के सर्वश्रेष्ठ गीतों में से एक माना जाता है।

बाप-बेटे के पॉपुलर गीत

सिर्फ कसमें वादे के आती रहेंगी बहारें के अलावा किशोर कुमार और अमित कुमार की जोड़ी ने कई पॉपुलर गीतों को अपनी आवाज दी।

दारा सिंह की पोती खूबसूरती में निकली नंबर-1

स्टार किड्स पर भारी पड़ती हैं अमेलिया रंधावा

मौजूदा समय में दिवंगत अभिनेता दारा सिंह की पोती अमेलिया रंधावा अपनी खूबसूरती को लेकर चर्चा में हैं। हिंदी सिनेमा के दिवंगत अभिनेता और पहलवान दारा सिंह को भला कौन भूल सकता है। टीवी सीरियल रामायण में हनुमान जी की भूमिका

निभाकर हर भारतवासी के दिल में अमर रहने वाले दारा सिंह बेशक हम सबके बीच नहीं हैं, लेकिन वह अपने परिवार को लेकर भी खूब चर्चा में रहते हैं। मौजूदा समय में दारा सिंह का नाम उनकी पोती अमेलिया रंधावा को लेकर सुर्खियां बटोर रहा है। अपनी खूबसूरती को लेकर अमेलिया बी टाउन में छाई हुई हैं और वह तमाम स्टार किड्स पर भारी पड़ती हुई नजर आ रही हैं।

बेहद ब्यूटीफुल हैं अमेलिया रंधावा

दरअसल अमेलिया रंधावा अभिनेता विंदू दारा सिंह और डीना उमरोवा की बेटी हैं। हाल ही में मुंबई में हुए एक इवेंट के दौरान अमेलिया अपने माता-पिता के साथ स्पॉट हुईं। इस दौरान उनकी बेबाक खूबसूरती ने हर किसी का ध्यान खींचा और पैपराजी की कैमरे में उनका झलक कैद हुई। सोशल मीडिया पर अमेलिया रंधावा के इस मौके के कई फोटो और वीडियो जमकर वायरल हो रहे हैं, जिन्हें देखकर हर कोई उनकी ब्यूटी का दीवाना होता हुआ नजर आ रहा है। इतना ही नहीं कई यूजर्स का मानना है कि खूबसूरती और हॉटनेस के मामले में अमेलिया फेमस स्टार किड्स सुहाना खान, न्यासा देवगन और अनन्या पांडे भी आगे निकलती हुई नजर आ रही हैं।

खेल समाचार

पैट कमिंस राइजिंग ऑरेंज आर्मी स्क्वाड में शामिल होंगे

नई दिल्ली,14 अप्रैल 2026। सनराइजर्स हैदराबाद उन्नीसवें सीज़न में अपनी दूसरी जीत के साथ प्ले-ऑफ़ की रेस में आ गई है। ऑरेंज आर्मी के लिए एक और अच्छी खबर है, जो आगे बढ़ रही है, क्योंकि लड़कों ने अपने डेब्यू मैच में ही साबित कर दिया कि सिर्फ़ बैट्समैन ही नहीं, बल्कि हम भी टीम को जिता सकते हैं। पूर्व कप्तान और अनुभवी पेसर

पैट कमिंस जल्द ही टीम में शामिल होंगे। पैटी के फिटनेस टेस्ट के बाद सीधे भारत आने की उम्मीद है। कमिंस,जो 27 मार्च को आईपीएल के लिए भारत आए थे,अचानक टूर्नामेंट के बीच में ही घर लौट आए। पैटी,जो अभी ऑस्ट्रेलिया में हैं, बुधवार को फिटनेस टेस्ट देंगे। सनराइजर्स मैनेजमेंट को उम्मीद है कि अगर वह फिटनेस टेस्ट पास कर लेते हैं, तो वह टीम में वापस आ जाएंगे। क्रिकबज़ के एक आर्टिकल के मुताबिक,अगर सब कुछ प्लान के मुताबिक हुआ, तो कमिंस 17 अप्रैल को हैदराबाद पहुंचेंगे। अनुभवी पेसर के अगले दिन उप्पल स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच के लिए उपलब्ध रहने की संभावना है। प्रफुल्ल हिंज और शाकिब हुसैन जैसे खिलाड़ियों के साथ कमिंस के मैदान पर होने से, विरोधी टीम के पास हार झेलने के अलावा कोई चारा नहीं होगा।
हालांकि,अगर आईपीएल की इजाज़त मिलती है,तो क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट देने पर विचार कर रहा है,क्योंकि उसे डर है कि काम के दबाव के कारण तेज़ गेंदबाज़ चोटिल हो सकते हैं। मुख्य पेसर मिचेल स्टार्क, जिन्हें दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलना है, को अभी तक एनओसी नहीं दी गई है।

पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने पीएसएल 2026 के दौरान भारत पर की गई टिप्पणी पर किया विवाद खड़ा

करांची,14 अप्रैल 2026। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने कथित तौर पर यह दावा करके नया विवाद खड़ा कर दिया है कि भारत में फ्यूल की कमी हो रही है। इस बात को पाकिस्तान सुपर लीग से तुलना करते हुए इंडियन प्रीमियर लीग का मज़ाक उड़ाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। ये कमेंट्स, जो चल रहे पीएसएल 2026 सीज़न के बारे में चर्चा के दौरान आए हैं,ऐसे समय में आए हैं जब दोनों लीग की पॉपुलैरिटी, भीड़ और ग्लोबल पहुंच के मामले में करीबी तुलना की जा रही है। नकवी ने कहा कि

फ्यूल की उपलब्धता जैसे मुद्दे भारत को प्रभावित कर रहे हैं। इस बयान की सोशल मीडिया और क्रिकेट जगत में कड़ी आलोचना हुई है, और कई लोगों ने इसे खेल की बातचीत के संदर्भ में गुमराह करने वाला और गैर-ज़रूरी बताया है। नकवी ने कहा, हमारा रुख कुछ और है। भारत के पेट्रोल पंपों पर लाइनें लंबी हैं। वहां फ्यूल की कमी है,और पाकिस्तान में नहीं है। आईपीएल 2026 सीज़न खुद ही जांच के दायरे में आ गया है क्योंकि कई मैच सीमित जगहों पर खेले गए, जिसमें बड़े क्षेत्रीय कारणों से कम भीड़ या कम दर्शक शामिल थे। आलोचकों ने बताया है कि ऐसी चुनौतियों के बावजूद,आईपीएल से तुलना करने की कोशिशों से अक्सर क्रिकेट की चर्चाओं में बेवजह के राजनीतिक मुद्दे आ जाते हैं।

संजू सैमसन ने जसप्रीत बुमराह को छोड़ा पीछे

टी 20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन के लिए संजू सैमसन को आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का खिताब मिला है... उन्होंने इस मामले में जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़ दिया है।

नई दिल्ली,14 अप्रैल 2026। भारतीय टीम के स्टार ओपनिंग बल्लेबाज संजू सैमसन और न्यूजीलैंड की दिग्गज ऑलराउंडर अमेलिया केर को मार्च 2026 के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। संजू सैमसन ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में अपने मैच जिताऊ प्रदर्शन के दम पर यह सम्मान हासिल किया वहीं अमेलिया केर ने मार्च के महीने में वनडे और टी20 दोनों ही फॉर्मेट में अपनी जादुई फॉर्म जारी रखते हुए तीसरी बार यह खिताब अपने नाम किया।

जसप्रीत बुमराह को सैमसन ने छोड़ा पीछे

संजू सैमसन ने इस रेस में अपने साथी खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह और दक्षिण

अफ्रीका के बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन को पछाड़ा। संजू के लिए यह महीना किसी सपने से कम नहीं रहा। उन्हें टी20 विश्व कप 2026 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया था। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ वर्चुअल क्वार्टर फाइनल में नाबाद 97 रन, इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 89 रन और न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में भी 89 रनों की पारी खेलकर भारत को घर में खिताब जिताने और उसे बरकरार रखने वाली पहली टीम बनाने में मुख्य भूमिका निभाई।

संजू ने जाहिर की खुशी

अपनी इस उपलब्धि पर संजू सैमसन ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीतना एक अविश्वसनीय एहसास है खासकर तब जब यह मेरे क्रिकेट सफर के सबसे यादगार दौर में आया है। टी20 विश्व कप की जीत में भूमिका निभाना मेरा एक सपना सच होने जैसा था। मैं उन अवसरों और अपनी टीम व कोचिंग स्टाफ के समर्थन के लिए आभारी हूं, जिन्होंने मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ देने में मदद की।

अमेलिया केर ने भी जीता खिताब

दूसरी ओर, महिला वर्ग में न्यूजीलैंड की अमेलिया केर ने अपनी लेग-स्पिन और बल्लेबाजी से कोहराम मचाया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी और दक्षिण अफ्रीका की अयाबोंगा खाका को पछाड़कर यह अवॉर्ड जीता। अमेलिया ने मार्च के दौरान चार वनडे मैचों में 18 विकेट चटकाए और 176 रन बनाए। जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे सीरीज में उन्होंने दूसरे मैच में 34 रन देकर 7 विकेट लेने का करिश्मा भी किया। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में 276 रन और 6 विकेट लेकर वह प्लेयर ऑफ द सीरीज रहीं।

सूर्यकुमार यादव के भविष्य पर लटकी तलवार

नई दिल्ली,14 अप्रैल 2026। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने भले ही टी20 वर्ल्ड कप का खिताब सफलतापूर्वक डिफेंड कर लिया हो, लेकिन खुद उनकी बल्लेबाजी फॉर्म ने चयनकर्ताओं की चिंता बढ़ा दी है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या सूर्या 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक और ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप की योजनाओं का हिस्सा रहेंगे? इस कड़ी में,जून-जुलाई में होने वाला भारत का इंग्लैंड और आयरलैंड दौरा कप्तान के लिए अग्निपरीक्षा साबित होने वाला है, जहां उनकी कप्तानी से ज्यादा उनकी बल्लेबाजी पर पैनी नजर रहेगी।

2025 का खराब दौर और वर्ल्ड कप की नाकामी

सूर्यकुमार यादव के लिए साल 2025 बेहद खराब रहा था,जहां उनका स्ट्राइक रेट 120 से नीचे गिर गया और वे पूरे साल एक भी अर्धशतक नहीं लगा सके। हालांकि, 2026 की शुरुआत में उन्होंने 160 के स्ट्राइक रेट से चार अर्धशतक जड़कर वापसी के संकेत दिए, लेकिन टी20 वर्ल्ड कप के बड़े मैचों में वे फिर फुस्स नजर आए।

बड़े मैचों में सूर्या का प्रदर्शन:-

बनाम दक्षिण अफ्रीका:- 18 रन
बनाम वेस्टइंडीज:- 18 रन
सेमीफाइनल (बनाम इंग्लैंड):- 11 रन
फाइनल (बनाम न्यूजीलैंड):- 0

अमेरिका के खिलाफ पहले मैच को छोड़ दिया जाए, तो खिताब जीतने के सफर में सूर्या के बल्ले से कोई बड़ी पारी नहीं निकली। अब जबकि टीम इंडिया के टॉप ऑर्डर में जबरदस्त फायरपावर मौजूद है और वैभव सूर्यवंशी जैसे युवा खिलाड़ी अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं, सूर्या के लिए खुद को साबित करना जरूरी हो गया है।

सूर्या के पास गंभीर का समर्थन

मुख्य कोच गौतम गंभीर अभी भी सूर्यकुमार को अपनी पहली पसंद मानते हैं और उम्मीद कर रहे हैं कि उनका खुद का अनुबंध 2028 वर्ल्ड कप तक बढ़ाया जाए। लेकिन,अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति के विचार थो` अलग हो सकते हैं। ओलंपिक 2028 के समय सूर्या 38 साल के हो जाएंगे, जो टी20 जैसे तेज फॉर्मेट के लिहाज से काफी ज्यादा है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया,सूर्या अभी टीम का नेतृत्व कर रहे हैं, लेकिन एक बल्लेबाज के रूप में उन्हें निरंतरता बनाए रखनी होगी। वे यूके दौरे पर कप्तानी करेंगे,लेकिन उसके बाद 2028 तक की चर्चा पूरी तरह से उनके प्रदर्शन पर आधारित होगी।

इंग्लैंड दौरा तय करेगा भविष्य

जून-जुलाई में होने वाला इंग्लैंड और आयरलैंड दौरा यह तय कर देगा कि सूर्या को अगले दो साल का ग्रेस पीरियड मिलेगा या नहीं। यदि वे अपनी पुरानी मिस्टर 360 वाली लय हासिल नहीं कर पाते हैं, तो चयनकर्ता भविष्य की ओर देखते हुए कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों मोर्चों पर कड़े फैसले ले सकते हैं। भारत के पास प्रतिभा की कमी नहीं है,ऐसे में सूर्या को केवल अपने नाम पर नहीं,बल्कि काम पर ध्यान देना होगा।

शाकिब हुसैन आईपीएल के उन स्टार्स की लिस्ट में शामिल हुए जिन्होंने डेब्यू पर ही चमक बिखेरी

नई दिल्ली,14 अप्रैल 2026। ऐसे कई खिलाड़ी हैं जो एक ही मैच से दुनिया में मशहूर हो गए और आईपीएल से चर्चा में आए। अपने डेब्यू मैच में चार विकेट लेकर धूम मचाने वाले शाकिब हुसैन भी इस लिस्ट में शामिल हो गए हैं। शाकिब ने उन्नीसवें सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए पेसर के तौर पर अपने पहले ही मैच में चार विकेट लेकर टीम को जीत दिलाई थी। बिहार के इस युवा पेसर का नाम अब सुर्खियों में है। एक छोटे से गांव से आईपीएल स्टार बनकर उभरे शाकिब गरीबी से परेशान थे। उनके पास जूते खरीदने के भी पैसे नहीं थे, लेकिन अब उन्होंने कड़ी मेहनत करके ऐसा प्रदर्शन किया है जो इतिहास में दर्ज हो जाएगा। उन्होंने मौके का और भी इंतजार किया।

बैडमिंटन, बॉक्सिंग और हॉकी की तरह क्रिकेट कोई महंगा खेल नहीं है। लेकिन, इसे देश में खेलने के लिए आपके पास कम से कम सुविधाएं होनी चाहिए। इसके लिए पैसे चाहिए। एक गरीब परिवार के बच्चे शाकिब हुसैन ने फास्ट बॉलर बनने के लिए संघर्ष किया। बिहार के एक छोटे से गांव से आज आईपीएल स्टार के तौर पर तारीफें बटोर रहे शाकिब का बैकग्राउंड जानने के लिए आपको उनकी कहानी जाननी होगी। शाकिब,जो फास्ट बॉलर बनना चाहते थे,एक जोड़ी जूते भी नहीं खरीद पाते थे। शाकिब ने एक बार बताया कि मेरी मुश्किल और क्रिकेट के लिए मेरे पैशन को देखकर, मेरी माँ ने अपने गहने बेच दिए और मुझे जूते खरीदकर दिए।

CMYK

नकली दवा कांड में चार महीने बाद गिरफ्तारी

मीडिया दबाव में टूटी सिस्टम की चुप्पी....

खुलासे से गिरफ्तारी तक 'घटती-घटना' की खबरों ने हिलाया नकली दवा नेटवर्क

- दवा नहीं धोखा,लगातार खुलासों के बाद आखिरकार तीन आरोपी गिरफ्तार
- चार महीने की देरी,एक्शन अब नकली दवा कांड में बड़े नाम गिरफ्त में...
- इंदौर से छत्तीसगढ़ तक फैला नेटवर्क,खुलासों के बाद गिरफ्तारी तक पहुंचा मामला
- पहले खुलासा,फिर सन्नाटा,अब गिरफ्तारी नकली दवा कांड की पूरी कहानी
- एक बरामदगी से उठा तूफान...चार महीने बाद पहुंचा गिरफ्तारी तक...

-न्यूज डेस्क-

रायपुर,14 अप्रैल 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ में नकली दवाओं का मामला अब केवल एक आपराधिक घटना नहीं,बल्कि प्रशासनिक जवाब देही,जांच प्रक्रिया और सिस्टम की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करने वाला केस बन चुका है,दिसंबर 2025 में एक ट्रांसपोर्ट से संदिग्ध दवाओं की बरामदगी से शुरू हुआ यह मामला धीरे-धीरे एक ऐसे नेटवर्क का खुलासा करने लगा,जिसकी जड़ें राज्य की सीमाओं से बाहर तक फैली हुई थीं,इंदौर से छत्तीसगढ़ तक फैले इस कथित सप्लाई नेटवर्क में सरस्वती मेडिकोज,प्रेम प्रकाश मेडिकल एजेंसी और मां बिजासन ट्रेडिंग कंपनी जैसे नाम सामने आए, शुरुआती कार्रवाई में नेटवर्क की संरचना तो उजागर हो गई,लेकिन इसके बाद अपेक्षित तेजी से कार्रवाई नहीं हुई,चार महीनों तक यह मामला जांच,नोटिस और विभागीय प्रक्रियाओं में उलझा रहा,जबकि मुख्य आरोपी खुले घूमते रहे,इसी दौरान स्थानीय अखबार दैनिक घटती-घटना ने इस पूरे मामले को लगातार प्रमुखता से उठाया,खबरों में न केवल नेटवर्क की परतें उजागर की गईं, बल्कि कार्रवाई में देरी, विभागीय निष्क्रियता और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए गए। धीरे-धीरे यह मामला सार्वजनिक चर्चा का विषय बन गया और प्रशासनिक तंत्र पर दबाव बढ़ने लगा, अंततः अप्रैल 2026 में तीन प्रमुख आरोपियों की गिरफ्तारी हुई,यह गिरफ्तारी केवल कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा नहीं, बल्कि चार महीनों तक चले खुलासों, सवालों और निरंतर मीडिया दबाव का परिणाम मानी जा रही है।

खेमराम बनी सरस्वती मेडिकोज

सुरेंद्र कामनानी-प्रेम प्रकाश मेडिकल एजेंसी

रोचक अग्रवाल-मां बिजासन ट्रेडिंग कंपनी

10 दिसंबर 2025 को हुआ खुलासा, 13 अप्रैल 2026 गिरफ्तारी

10 दिसंबर 2025 को औषधि एवं खाद्य नियंत्रक के निर्देश पर गठित टीम द्वारा गोल्डन ट्रांसपोर्ट से संदिग्ध दवाओं की जब्ती के बाद यह मामला सामने आया, जांच में यह सामने आया कि दवाएं इंदौर से भेजी गई थीं और छत्तीसगढ़ में अलग-अलग एजेंसियों के माध्यम से वितरित हो रही थीं,शुरुआती कार्रवाई ने नेटवर्क की परतें खोलनी शुरू कर दीं, लेकिन इसके बाद जो होना चाहिए था,त्वरित गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई वह नहीं हुआ, चार महीनों तक यह मामला जांच, नोटिस और कागजी प्रक्रिया में उलझा रहा, इस दौरान कई सवाल उठे मुख्य आरोपी खुले क्यों हैं, विभागीय कार्रवाई धीमी क्यों है, और क्या सिस्टम के भीतर कोई दबाव काम कर रहा है? इसी बीच लगातार मीडिया रिपोर्टिंग ने इस मुद्दे को जीवित रखा और जन-चर्चा का विषय बनाए रखा, अंततः अप्रैल 2026 में जाकर तीन प्रमुख आरोपियों की गिरफ्तारी हुई, जिससे यह संकेत मिला कि मामला आगे बढ़ा है, लेकिन यह गिरफ्तारी जितनी महत्वपूर्ण है,उतने ही महत्वपूर्ण वे सवाल हैं जो इस पूरे घटनाक्रम ने खड़े किए हैं,यह रिपोर्ट दिसंबर 2025 से लेकर अब तक की पूरी प्रक्रिया को क्रमवार तरीके से प्रस्तुत करती है।

चार महीने बाद गिरफ्तारी : तीन आरोपियों पर शिकंजा

अप्रैल 2026 में इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया,खेमराम बनी-सरस्वती मेडिकोज,सुरेंद्र कामनानी-प्रेम प्रकाश मेडिकल एजेंसी,रोचक अग्रवाल-मां बिजासन ट्रेडिंग कंपनी, बताया जा रहा है कि आरोपियों को नोटिस देकर बुलाया गया और पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया।

पहली कार्रवाई : 10 दिसंबर 2025 को हुआ खुलासा

नकली दवा कांड का पहला संकेत 10 दिसंबर 2025 को मिला, जब औषधि एवं खाद्य नियंत्रक दीपक अग्रवाल के निर्देश पर एक टीम गठित की गई। इस टीम में सहायक औषधि नियंत्रक संजय नेताम को शामिल किया गया,जांच के दौरान गोल्डन ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड से दवाओं की एक खेप जब्त की गई,प्रारंभिक जांच में ही यह स्पष्ट हो गया कि दवाओं की गुणवत्ता संदिग्ध है और मामला सामान्य नहीं है। यही वह बिंदु था, जहां से पूरे नेटवर्क की परतें खुलनी शुरू हुईं।

सप्लाई चेन का खुलासा : इंदौर से छत्तीसगढ़ तक नेटवर्क

जांच में सामने आया कि जब्त दवाएं इंदौर स्थित मां बिजासन ट्रेडिंग कंपनी से भेजी गई थीं, इन्हें सरस्वती मेडिकोज (सारंगढ़-रायगढ़) के लिए ट्रांसपोर्ट किया जा रहा था,जबकि प्रेम प्रकाश मेडिकल एजेंसी (भाटापारा) का भी इस नेटवर्क से संबंध पाया गया, इस प्रकार एक स्पष्ट सप्लाई चेन सामने आई,जिसमें बाहरी सप्लायर,ट्रांसपोर्टर और स्थानीय वितरक शामिल थे, इससे यह साफ हुआ कि मामला किसी एक दुकान तक सीमित नहीं,बल्कि एक संगठित नेटवर्क का हिस्सा है।

बेणीराम साहू और नीरज साहू पर उठे सवाल

सूत्रों के अनुसार, इस मामले में बेणीराम साहू और नीरज साहू की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं, बताया जा रहा है कि ये वही अधिकारी हैं जिनके लाइसेंस अथॉरिटी क्षेत्र–भाटापारा और सारंगढ़–में यह नेटवर्क सक्रिय था, समय पर कार्रवाई होती तो मामला पहले ही नियंत्रित हो सकता था।

निरीक्षण पर संदेहः छुट्टी के दिन कार्रवाई क्यों ?

सूत्रों के मुताबिक,औषधि निरीक्षक नीरज साहू द्वारा छुट्टी के दिन किया गया निरीक्षण भी संदेह के घेरे में है,यह सवाल उठाया जा रहा है कि निरीक्षण की टाइमिंग क्या उचित थी? क्या इससे पहले नियमित कार्रवाई नहीं की जा सकती थी?

श्रेय की राजनीतिः अब किसे मिलेगा क्रेडिट ?

गिरफ्तारी के बाद अब इस मामले में श्रेय को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है,जहां प्रारंभिक कार्रवाई का श्रेय दीपक अग्रवाल और संजय नेताम की टीम को दिया जा रहा है,वहीं वर्तमान कार्रवाई का श्रेय अन्य अधिकारी लेने की कोशिश कर रहे हैं।

जन-स्वास्थ्य पर खतरा : अदृश्य लेकिन गंभीर प्रभाव

नकली दवाओं का असर केवल आर्थिक नहीं,बल्कि स्वास्थ्य से जुड़ा है,ऐसी दवाओं के उपयोग से मरीजों को सही उपचार नहीं मिल पाता और बीमारी गंभीर हो सकती है।

दैनिक घटती-घटना के खबर असर : खबर से बना दबाव

इस पूरे घटनाक्रम में स्थानीय अखबार दैनिक घटती-घटना की भूमिका निर्णायक रही, अखबार ने लगातार इस मुद्दे को प्रमुखता से प्रकाशित किया,सरस्वती मेडिकोज,प्रेम प्रकाश एजेंसी और मां बिजासन के बीच संबंधों को उजागर किया,कार्रवाई में हो रही देरी और विभागीय निष्क्रियता पर सवाल उठाए, लगातार खबरों में यह भी सामने लाया गया कि शुरुआती कार्रवाई के बाद भी नेटवर्क पूरी तरह बंद नहीं हुआ था,बल्कि परोक्ष रूप से सक्रिय बना रहा, इन खबरों का प्रभाव यह हुआ कि मामला जनचर्चा का विषय बन गया और प्रशासन पर दबाव बढ़ने लगा,सूत्रों के अनुसार,यही दबाव अंततः कार्रवाई को आगे बढ़ाने का कारण बना और गिरफ्तारी तक मामला पहुंचा।

ट्रांसपोर्ट कड़ी अब भी बाकी

हालांकि मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है,लेकिन गोल्डन ट्रांसपोर्ट की भूमिका अब भी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है,यह कड़ी जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा बनी हुई है और आगे की कार्रवाई इसी पर निर्भर करेगी।

लैब जांच में खुलासा : 'दवा' या सिर्फ नाम?

जब्त दवाओं के सैंपल को जांच के लिए भेजा गया, जहां कुछ सैंपल 'Not of Standard Quality' पाए गए,कुछ मामलों में सक्रिय तत्व की मात्रा बेहद कम या नगण्य पाई गई, यह केवल नियमों का उल्लंघन नहीं था,बल्कि मरीजों के स्वास्थ्य के साथ गंभीर जोखिम का मामला था। इससे यह स्पष्ट हुआ कि बाजार में ऐसी दवाएं पहुंच रही थीं,जिनका वास्तविक प्रभाव संदिग्ध था।

कार्रवाई के बाद ठहरावः चार महीने तक क्यों नहीं हुई गिरफ्तारी?

दिसंबर 2025 की कार्रवाई के बाद उम्मीद थी कि जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी होगी,लेकिन ऐसा नहीं हुआ, चार महीनों तक मामला जांच और नोटिस तक सीमित रहा, इस दौरान मुख्य आरोपी खुले रहे और विभागीय सक्रियता पर सवाल उठते रहे। यह स्थिति जांच प्रक्रिया की गति और प्रभावशीलता दोनों पर सवाल खड़े करती है।

संजय नेताम प्रकरणः कार्रवाई करने वाला अधिकारी ही निलंबित

इस पूरे मामले में एक बड़ा मोड़ तब आया,जब कार्रवाई करने वाले सहायक औषधि नियंत्रक संजय नेताम को निलंबित कर दिया गया,सूत्रों के अनुसार, कार्रवाई के बाद एक आरोपी उनसे मिलने आया था और इसी घटना को आधार बनाकर यह कदम उठाया गया। हालांकि यह घटना कार्रवाई के बाद की थी,लेकिन इससे पूरे मामले की दिशा प्रभावित हुई और जांच की गति पर असर पड़ा।

सूत्रों का दावाः निलंबन के बाद धीमी पड़ी कार्रवाई

सूत्रों का कहना है कि यदि संजय नेताम इस पूरे मामले को आगे भी संभालते रहते, तो कार्रवाई काफी पहले पूरी हो जाती, बताया जा रहा है कि उनके निलंबन के बाद मामला जिन अधिकारियों के पास गया, वहां से कार्रवाई की गति धीमी हो गई और निर्णय लेने में देरी हुई।

खबर...दबाव और कार्रवाई का संगम

दिसंबर 2025 से अप्रैल 2026 तक का यह घटनाक्रम यह दिखाता है कि प्रारंभिक कार्रवाई ने नेटवर्क का खुलासा किया, लेकिन कार्रवाई अधूरी रह गई,लगातार खबरों और दबाव के बाद ही गिरफ्तारी संभव हुई,यह मामला इस बात का उदाहरण बन गया है कि जब पत्रकारिता लगातार और तथ्यात्मक रूप से किसी मुद्दे को उठाती है, तो वह न केवल सच सामने लाती है,बल्कि व्यवस्था को सक्रिय करने की क्षमता भी रखती है।

सूत्रों के दावेः कार्रवाई और विभागीय भूमिका पर उठे सवाल (चार प्रमुख बिंदु)

1. **कार्रवाई की गति निलंबन के बाद हुई धीमी-** सूत्रों का कहना है कि यदि प्रारंभिक जांच करने वाले अधिकारी संजय नेताम ही इस पूरे प्रकरण को संभालते रहते,तो कार्रवाई काफी पहले पूरी हो जाती,उनके निलंबन के बाद मामला अन्य अधिकारियों के पास गया,जहां से कार्रवाई की गति धीमी पड़ने के आरोप लग रहे हैं।
2. **बेणीराम साहू और नीरज साहू पर उठे सवाल-** बताया जा रहा है कि जिन क्षेत्रों-भाटापारा और सारंगढ़-में यह पूरा नेटवर्क सक्रिय था,वहां की लाइसेंस अथॉरिटी से जुड़े अधिकारी बेणीराम साहू और नीरज साहू की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं,सूत्रों के अनुसार, समय रहते सख्त कार्रवाई होती तो मामला पहले ही नियंत्रित हो सकता था।
3. **निरीक्षण की टाइमिंग और कार्यप्रणाली पर संदेह-** सूत्रों के मुताबिक,औषधि निरीक्षक नीरज साहू द्वारा छुट्टी के दिन किया गया निरीक्षण भी संदेह के घेरे में रहा, यह भी कहा जा रहा है कि यदि नियमित और प्रभावी निरीक्षण किया जाता,तो प्रेम प्रकाश एजेंसी के अचानक बंद होने और गतिविधियों के गायब होने जैसी स्थिति नहीं बनती।
4. **श्रेय की होड़ और एकतरफा नाम उभरना-** गिरफ्तारी के बाद अब कार्रवाई का श्रेय लेने की स्थिति बन रही है,सूत्रों के अनुसार, जिस कार्रवाई की शुरुआत संजय नेताम ने की,उसी के अंतिम परिणाम का श्रेय अब अन्य अधिकारियों,विशेषकर बेणीराम साहू,द्वारा लिया जा रहा है, जबकि बाकी जिम्मेदार भूमिकाएं अब भी स्पष्ट रूप से सामने नहीं आई हैं।

123 हाथियों ने डाला डेरा...फसलों और मकानों को बचाने के लिए रतजगा कर रहे ग्रामीण

रायगढ़,14 अप्रैल 2026। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ वन मंडल में हाथियों की बढ़ती संख्या ने प्रशासन और स्थानीय निवासियों की नींद उड़ा दी है। वर्तमान में जिले में कुल 123 हाथियों की मौजूदगी दर्ज की गई है, जो इस क्षेत्र के लिए एक रिकॉर्ड संख्या है। सबसे ज्यादा तनावपूर्ण स्थिति छाल रेंज में है,जहां 35 हाथियों का एक विशाल दल गांव के बिल्कुल करीब विचरण करते हुए देखा गया है। हाथियों के इस दल का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वे जंगल और रिहायशी इलाके की सीमा पर घूमते नजर आ रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में भारी दहशत का माहौल है।

हाथियों की फौज से सहमे गांव : धरमजयगढ़ बना हॉटस्पॉट धरमजयगढ़ वन मंडल हमेशा से हाथियों के कॉरिडोर का हिस्सा रहा है, लेकिन 123 हाथियों का एक साथ मौजूद होना असामान्य है। यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 20% अधिक है, जो मानव-हाथी द्वंद्व के खतरे को बढ़ा रही है। छाल रेंज में सक्रिय 35 हाथियों का दल सबसे बड़ा है, जो फसलों और घरों को नुकसान पहुंचाने की ताक में है। वन विभाग की टीमें अलर्ट पर हैं और 24 घंटे निगरानी रख रही हैं। ग्रामीणों को शाम के बाद घरों से बाहर न निकलने और हाथियों के करीब न जाने की सख्त हिदायत दी गई है। 2026 में रायगढ़ जिले में अब तक हाथी के हमले से 3 लोगों की मौत और दर्जनों घरों के टूटने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जो स्थिति की गंभीरता को बयां करती हैं। 2026 में रायगढ़ जिले में बढ़ते मानव-हाथी द्वंद्व को देखते हुए वन विभाग दीर्घकालिक रणनीतियों पर काम कर रहा है। हाथियों के कॉरिडोर की सुरक्षा और ग्रामीणों के लिए त्वरित मुआवजा प्रणाली को सुदृढ़ किया जा रहा है। आने वाले दिनों में और भी बड़ी रिकवरी संभव है। पुलिस ने साफ किया है कि नशे के खिलाफ यह अभियान अनवरत जारी रहेगा।

वेदांता पावर प्लांट में जबरदस्त विस्फोट,10 की मौत

30-40 मजदूर झुलसे,80 प्रतिशत जले 12 लोगों की हालत गंभीर

सक्ती,14 अप्रैल 2026। सक्ती जिले के सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में मंगलवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया, जब प्लांट के भीतर बॉयलर फटने से जोरदार विस्फोट हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस घटना में 30 से 40 मजदूर गंभीर रूप से घायल हो,जबकि 10 लोगों की मौत हो चुकी है। बताया जा रहा है कि हादसा दोपहर करीब 2 बजे हुआ,जब प्लांट में नियमित कार्य चल रहा था। अचानक हुए विस्फोट से पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई और कर्मचारी जान बचाकर इधर-उधर भागने लगे। घटना के तुरंत बाद राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया है। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया जा रहा है, जहां उनका इलाज जारी है। कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है। हालांकि, प्रशासन की ओर से बयान आना बाकी है। सूचना मिलते ही प्रशासनिक और पुलिस टीम मौके पर पहुंच रही है। साथ ही फायर ब्रिगेड और मेडिकल टीम भी मौके पर पहुंच रही है। हादसे के कारणों का फिलहाल स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है, लेकिन प्रारंभिक तौर पर तकनीकी खराबी या सुरक्षा मानकों में लापरवाही की आशंका जताई जा रही है।

हादसे पर सीएम साय ने जताया दुःख

सक्ती के सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में बॉयलर ब्लास्ट की दुर्घटना पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गहरी संवेदना व्यक्त की और शोकाकुल परिजनों के साथ अपनी संवेदनाएं जताई। उन्होंने जिला प्रशासन को राहत-बचाव कार्य तेज करने,घायलों के बेहतर उपचार और घटना की निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए तथा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

वेदांता प्लांट ब्लास्ट पर भूपेश बघेल ने की उचित मुआवजा की मांग

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सक्ती के वेदांता पावर प्लांट में हुए बॉयलर ब्लास्ट हादसे को पीड़ादायक बताते हुए सोशल मीडिया पर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने बताया कि हादसे में कई मजदूरों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हुए हैं, साथ ही शासन-प्रशासन से पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा और सभी घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था करने की अपील की।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)